हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 25, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 16 जुलाई, 2022 दिन शनिवार | गाजीपुर/वाराणसी

ओम प्रकाश राजभर ने सपा को दिया झटका

राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करेंगे सभी छह विधायक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने सहयोगी को तगड़ा झटका दिया है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के सभी छह विधायक एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करेंगे। लखनऊ में शुक्रवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने इसकी घोषणा की। पहले ओम प्रकाश राजभर को 12 जुलाई को अपने विधायकों का स्टैंड घोषित करना था, लेकिन तीन बाद उन्होंने यह घोषणा कर समाजवादी पार्टी को चौंका दिया है। ओम प्रकाश राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में सुभासपा के एनडीए पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को वोट करने की घोषणा की। राजभर ने समाजवादी पार्टी को जोरदार झटका दिया है। सपा संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी तृणमूल कांग्रेस के यशवंत सिन्हा के पक्ष में मतदान कर रही है। राजभर ने कहा कि हमने राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर अपने विधायकों से बात की है। मैं तो आठ जुलाई को मुख्यमंत्री के आवास पर डिनर पार्टी में गया था। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और द्रौपदी मूर्मू जी ने समर्थन मांगा था। हमारे पास तो केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का फोन भी आया था, मेरी उनसे भी मुलाकात हुई। उन्होंने भी द्रौपदी मुर्मू जी के लिए समर्थन मांगा है। फिलहाल राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हम द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर रहे हैं। अभी मैं समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में हूं मैंने अपनी तरफ से गठबंधन नहीं तोड़ा है। राजभर

ने कहा कि मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी हमारी पार्टी के विधायक हैं। वह भी द्रौपदी मुर्मू को वोट करेंगे। मैने इस बारे में मुख्यमंत्री और अमित शाह को भी अवगत करा दिया है। हमारे पार्टी के चुनाव चिह्न से जीते सभी छह विधायक हमारे साथ हैं। राजभर ने कहा कि हम लोग तो पार्टी बनाकर समाज की लड़ाई लड़ रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने मुझे बुलाकर कहा कि आप पिछड़े, दलित, वंचित की लड़ाई लड़ते हैं। आप द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करें। मैंने उनसे मुलाकात की। जिसके बाद गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात हुई। उनसे बात होने के बाद हमने द्रौपदी मुर्मू को समर्थन का ऐलान किया है। इसके साथ ही ओम प्रकाश राजभर ने गाड़ी को लेकर भी अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी नहीं कि मुझे फॉर्च्यूनर दी गई। वह गाड़ी देकर अगर हमको अपने पक्ष में करना चाहते हैं तो शायद उनको पता नहीं है कि ओम प्रकाश राजभर को पकड़ना कठिन काम है। कौन सी फॉर्च्यूनर मुझे दी इसकी तो जानकारी नहीं है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जी के नवरत्न अपना बूथ नहीं जीत पाते हैं। आजमगढ़ के साथ रामपुर लोकसभा के उप चुनाव इसके प्रमाण हैं। आजमगढ़ में तो उनका एक भी रत्न दिखाई नहीं दिया। अखिलेश जी को मेरी सलाह बुरी लगती है तो मैं सपा को अब सलाह नहीं दूंगा। राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता को हमारी जरूरत नहीं है। प्रेस वार्ता में जयंत चौधरी को बुला लेते हैं, लेकिन ओपी राजभर को न बुलाना। राज्यसभा चुनाव आया तो राज्यसभा जयंत चौधरी को दे देना, विधान परिषद सदस्य चुनाव में हमें न पूछना। उनकी तरफ से नजरअंदाज करने वाली चीजें हो रही हैं।

इंजन में कंपन महसूस होने के बाद जयपुर में उतारनी पड़ी इंडिगो की दिल्ली-वडोदरा फ्लाइट

नई दिल्ली। विमानन कंपनी इंडिगो के दिल्ली-वडोदरा विमान के इंजन में कुछ सेकंड के लिए कंपन महसूस किए जाने के बाद पायलट ने एहतियातन उसे जयपुर में उतारने का फैसला किया। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को हुई घटना की डीजीसीए जांच कर रहा है। विमानन कंपनी स्पाइसजेट भी इन दिनों डीजीसीए

के जांच के दायरे में है। स्पाइसजेट के विमानों में 19 जून से तकनीकी समस्या के कम से कम आठ मामले सामने आने के बाद डीजीसीए ने छह जुलाई को उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया था। विमानन नियामक का कहना है कि वाहक सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय हवाई सेवाओं का संचालन करने विफल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो के दिल्ली-वडोदरा विमान के पालयट ने इंजन में कुछ सेकंड के लिए कंपन महसूस करने के बाद एहतियाती तौर पर उसे जयपुर में उतारने का फैसला किया। विमान को रात करीब साढ़े आठ बजे जयपुर हवाई अड्डे पर उतारा गया।

यूपी में वयस्कों को भी फ्री में कोरोना की बूस्टर डोज, सीएम योगी ने किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भी वयस्कों को कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव वाली प्रीकाशन वैक्सीन की डोज का अभियान शुक्रवार से प्रारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बीते बुधवार को 18 से 59 आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त में कोरोना वायरस संक्रमण के बचाव के लिए बूस्टर डोज देने का फैसला किया गया था। मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी थे। पाठक के पास चिकित्सा, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा तथा परिवार कल्याण मंत्रालय है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए मुफ्त में बूस्टर डोज अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने छह महीने पहले कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज ली है वह बूस्टर डोज के लिए पात्र होंगे। प्रदेश में यह 75 दिन का विशेष अभियान है जिसमें 12.08 करोड़ लोग इसके लिए पात्र होंगे।। इस दौरान एक लाभार्थी ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले के साथ नए वैरियंट के लगातार प्रभावी होने के कारण यह तो बहुत जरूरी था। हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर यह पहल शुरू की। सभी को बूस्टर डोज लेनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में वयस्कों को मुफ्त में कोरोना संक्रमण की सतर्कता डोज देने के लिए 4,283 केन्द्र बनाए गए हैं। इसमें आज से 18 वर्ष से लेकर 59 वर्ष तक की उम्र के वयस्कों को मुफ्त सतर्कता (प्रीकाशन) डोज लगना शुरू हो गई।

इसके लिए प्रदेश में पहले दिन 4,283 टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं। इससे पहले अभी तक 384 रुपए फीस लेकर प्राइवेट अस्पतालों में ही सतर्कता डोज लगाई जा रही थी। प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 7.40 करोड़ वयस्कों को सतर्कता डोज लगाई जानी है। अभी तक प्रदेश में 37.37 लाख यानी पांच प्रतिशत वयस्कों ने ही टीका लगवाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके साथ ही लखनऊ में एक टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि बिना किसी असुविधा के वयस्कों को यह वैक्सीन लगाई जाए। इसके साथ ही अब लाभार्थी अपने मुफ्त वैक्सीन खुराक स्लॉट के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं, या बूस्टर खुराक के लिए टीकाकरण केन्द्रों पर सरकार की वॉक-इन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इससे पहले, बूस्टर खुराक केवल 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को सरकारी केन्द्र पर मुफ्त में दी जाती थी। 18 से 60 वर्ष के बीच के लोगों को यह निजी केंद्रों पर भुगतान के आधार पर मिलती थी। वैक्सीनेशन अभियान में प्रिकॉशन डोज भारत सरकार फ्री में लगवा रही है। 30 सितंबर तक भारत सरकार के सहयोग से बूस्टर डोज सभी पात्रों को फ्री में प्राप्त होगी। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हैं। उत्तर प्रदेश में 17,58,99,067 लोगों को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक मिल चुकी है जबकि 16,40,30,246 लोगों को दूसरी खुराक भी मिल चुकी है।

कारोबारी ने पहले अपनी दो बेटियों और पत्नी को मौत के घाट उतारा, फिर खुद को मार ली गोली

नई दिल्ली। जाफराबाद इलाके में एक कारोबारी सहित परिवार के चार सदस्यों का शव मकान से बरामद हुआ है। आशंका है कि कारोबारी ने पहले अपनी दो बेटियों और पत्नी की हत्या की। इसके बाद

खुद को गोली मार ली। हालांकि कारोबारी ने 13 और चार साल के दो बेटों पर हमला नहीं किया। इन दोनों फिलहाल पुलिस के संरक्षण में हैं। मृतकों की पहचान इसरार (40), पत्नी फहीन और दो बेटियां याशिका व इनाया के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त संजय सेन के मुताबिक शुरूआती जांच में कारोबार में नुकसान की वजह से कारोबारी के परेशान होने की बात सामने आई है। जाफराबाद पुलिस को शुक्रवार दोपहर सूचना मिली कि एक मकान में गोली चली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मकान में दाखिल होने पर पुलिस के होश उड़ गए। एक साथ चार शव पड़े थे। सभी को गोली लगी हुई थी। पुलिस ने दोनों बेटों को संरक्षण में ले लिया। पता चला है कि इसरार ने लगभग दो साल पहले जींस का कारोबार शुरू किया था। इसमें उसे काफी नुकसान हो गया था। इस वजह से वह परेशान चल रहा था। पुलिस बड़े बेटे से पूछताछ करने का प्रयास कर रही है।

उधर, बाहरी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के एक रैकेट का पदार्फाश कर छह महिलाओं समेत दस आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पिछले एक वर्ष से स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार को अंजाम दे रहा था। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त समीर शर्मा ने बताया कि स्पेशल स्टाफ में तैनात सब इंस्पेक्टर अंकित अंतिल को रविवार को सूचना मिली थी कि पश्चिम विहार स्थित एआरएसएस माल की तीसरी मंजिल पर देह व्यापार संचालित हो रहा है। इस जानकारी के आधार पर स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर अजमेर सिंह की देखरेख में एसआइ अंकित अंतिल की टीम गठित की गई।

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान बोले- उत्तर प्रदेश में रोजगार मेला से मिलेगा छह लाख लोगों को लाभ, आगे भी जारी रहेगी प्रक्रिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार दूसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर मंत्रीगण अपने विभाग के कार्य का ब्यौरा पेश कर रहे हैं। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने शुक्रवार को अपने विभागों का ब्यौरा पेश किया। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने मीडिया को बताया कि प्रदेश सरकार ने सौ दिन में रोजगार मेला लगाकर करीब छह लाख लोगों को लाभ दिया है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा देने से साथ ही कुशल श्रमिकों को पारंगत करने का भी है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बीते दिनों लाखों लोगों को ऋण देकर उनके कार्य का विस्तार देने का भी बड़ा प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्रदेश में बड़े रोजगार मेले का आयोजन हुआ। जिससे लगभग छह लाख लोगों को लाभ रोजगार मिल रहा है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। प्रदेश सरकार की बेहतर नीतियों तथा कानून-व्यवस्था के कारण अब यहां पर निवेश के अवसर तेजी से बढ़े हैं। भारत सरकार के उद्योग आधार पंजीकृत पोर्टल पर इस दौरान पंजीकृत प्रदेश में लगभग 1,20,000 नई एमएसएमई इकाइयां रजिस्टर्ड हुई हैं। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश में लघु इकाइयां भी लगाई गई हैं। इस वर्ष एमएसएमई इकाइयों का विस्तार होगा। बैंक से 80 हजार करोड़ रुपया का ऋण उपलब्ध कराकर 10 लाख इकाइयों की स्थापना कराने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे इस साल करीब 30 लाख लोगों को रोजगार दिया जाएगा। प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर होने के कारण अब निवेश बढ़ रहा है। अब तो नई एमएसएमई इकाइयों को 72 घंटे में अनुमति मिल रही है। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुविधा सेंटर का भी उद्घाटन किया है।

दिल्ली के अलीपुर इलाके में निर्माणाधीन गोदाम की दीवार गिरी, 5 लोगों की मौत, सीएम केजरीवाल ने जताया दुख

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के अलीपुर इलाके के बकौली गांव में शुक्रवार को अचानक एक निमार्णाधीन गोदाम की दीवार ढह गई। जानकारी के अनुसार, इस दीवार के नीचे कई लोग दबे हुए हैं। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोगों के दबे होने की आशंका है। वहीं, दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अलीपुर में एक दीवार ढह गई। हादसे के बाद मौके से करीब 10 लोगों को रेस्क्यू किया गया है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका को लेकर मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी– हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस व दमकल विभाग के कर्मचारी पहुंचे हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। क्रेन व बुलडोजर की मदद से बचाव कार्य जारी है। बताया जा रहा है कि गोदाम नरेला के विधायक शरद चौहान के करीबी का है। हादसे को देखते हुए यह माना जा रहा है कि मरने वालों की संख्या और भी बढ़ सकती है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, अलीपुर में निमार्णाधीन गोदाम की दीवार गिरने से कई लोगों के फंसे होने की आशंका को लेकर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची हुई है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने जताया दुख– अलीपुर हादसे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, ₹अलीपुर में दुखद हादसा हुआ। जिला प्रशासन राहत और बचाव के काम में जुटा हुआ है। मैं स्वयं राहत कार्य पर नजर रखे हुए हूं। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

बच्चे सात बजे स्कूल जा सकते हैं, तो जज और वकील नौ बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते : जस्टिस यू यू ललित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश यूयू ललित ने सवाल किया कि अगर बच्चे सुबह सात बजे स्कूल जा सकते हैं तो जज और वकील 9 बजे से अपना काम क्यों नहीं शुरू कर सकते? न्यायाधीश यू यू ललित ने यह टिप्पणी शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में समय से पहले सुनवाई शुरू करने के बाद की। सुप्रीम कोर्ट की बेंच साढ़े दस बजे असेंबल होती है और उसके बाद मामलों की सुनवाई शुरू होती है, जो चार बजे तक चलती है। इसी दौरान एक से दो बजे के बीच लंच ब्रेक भी रहता है। हालांकि, इस प्रैक्टिस के उलट जस्टिस ललित ने शुक्रवार को साढ़े नौ बजे केस की सुनवाई शुरू कर दी। उनकी बेंच में जस्टिस एस रविंद्र भट और सुधांशु धूलिया भी हैं। जमानत के एक मामले में पेश हुए देश के पूर्व अटॉर्नी जनरल और नामी वकील मुकुल रोहतगी ने तय वक्त से पहले कार्यवाही शुरू करने के लिए बेंच की तारीफ की और कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि यही वक्त कोर्ट की कार्यवाही शुरू करने के लिए ज्यादा उचित है। इसपर जस्टिस ललित ने जवाब दिया कि मेरा हमेशा से यह मत रहा है कि कोर्ट की कार्यवाही जल्दी शुरू होनी चाहिए। उन्होंने कहा आदर्श रूप से तो हमें सुबह 9 बजे शुरू कर देना चाहिए। जब बच्चे सुबह सात बच्चे स्कूल जाते हैं तो हम 9 बजे काम शुरू क्यों नहीं कर सकते हैं।

जस्टिस ललित इस साल अगस्त में चीफ जस्टिस बनने वाले हैं। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना के रिटायर होने के बाद वह 27 अगस्त से 8 नवंबर तक वह चीफ जस्टिस रहेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच 9 बजे शुरू होनी चाहिए और साढ़े ग्यारह बजे आधे घंटे का ब्रेक हो। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद 12 बजे शुरू करके दो बजे तक सुनवाई होनी चाहिए। इससे शाम शाम को ताजा मामलों और ऐसे मामलों के लिए ज्यादा वक्त मिलेगा, जिनके लिए लंबी सुनवाई की जरूरत होती है।

भारतीय जनता पार्टी कल कर सकती है उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी की घोषणा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 19 जुलाई है और देखा जाए तो सिर्फ 4 दिन बाकी हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है। बताया जा रहा है शनिवार यानी 16 जुलाई को भाजपा की बैठक होने वाली, जिसमें उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी की घोषणा हो सकती है। वहीं राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की स्थिति को देखकर उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंथन जारी है। कांग्रेस की ओर से इस बार विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस की कोशिश है कि राष्ट्रपति चुनाव जैसा हाल उपराष्ट्रपति के चुनाव में न हो। कुछ दिनों पहले ऐसी चर्चा थी कि विपक्ष की ओर से साउथ का कोई उम्मीदवार बनाया जा सकता है। हालांकि यह चर्चा तब थी जब शिवसेना और दूसरे दल तब तक विपक्ष के साथ थे। राष्ट्रपति चुनाव के मुकाबले उपराष्ट्रपति का चुनाव विपक्ष के लिए कहीं अधिक मुश्किल है। वहीं राजनीतिक गलियारों में एक दूसरी चर्चा यह भी शुरू है कि विपक्ष की ओर से यह कहा जाएगा कि सत्ता पक्ष पहले नाम की घोषणा करे। या फिर सत्ता पक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम की रायशुमारी के लिए कोई बात रखी जाती है तो विपक्ष उसका समर्थन कर दे। यह एक विपक्ष के लिए

रास्ता हो सकता है, हालांकि यह सत्ता पक्ष के उम्मीदवार पर काफी कुछ तय होगा। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नामांकन पत्र भरने की आखिरी तारीख 19 जुलाई और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 22 जुलाई है। ऐसे में यदि एक से अधिक उम्मीदवार चुनावी मैदान में रहे तो 6 अगस्त को चुनाव होगा और इसी दिन नतीजों की भी घोषणा कर दी जाएगी। लोकसभा और राज्यसभा के सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट देने के पात्र होते हैं और संख्या बल के लिहाज से एनडीए उम्मीदवार का जीतना तय माना जा रहा है। देश के मौजूदा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है और एनडीए की ओर से कौन उम्मीदवार होगा इसको लेकर कई नामों पर चर्चा शुरू है। 2014 केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद कई चौंकाने वाले फैसले हुए हैं। चर्चा इस बात की भी शुरू है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा की ओर से ऐसा फैसला हो जो पहले उपराष्ट्रपति पद के लिए न हुआ हो। वैसे अभी तक कहा जा रहा है भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को भाजपा की ओर से प्रत्याशी बनाया जा सकता है। इसके अलावा आरिफ मोहम्मद खान, कैप्टन अमरिंदर सिंह व नजमा हेपतुल्ला के नाम की भी चर्चा है।

नमाज का वीडियो वायरल होने के बाद लुलु मॉल ने दर्ज कराया एफआईआर

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित लुलु मॉल के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि मॉल सभी धर्मों का सम्मान करता है और किसी भी तरह के धार्मिक कार्य या प्रार्थना की अनुमति नहीं देता है। मॉल परिसर के अंदर नमाज अदा करने वाले लोगों के एक समूह का एक कथित वीडियो वायरल होने के बाद प्रबंधन की तरफ से यह बयान जारी किया गया है। इससे पहले दावा किया गया था कि नमाज अदा करने वाले मॉल के कर्मचारी ही थे। मॉल के महाप्रबंधक समीर वर्मा ने कहा कि मॉल के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मचारियों को ऐसी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कुछ सदस्यों द्वारा मॉल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के बाद इस घटना ने विवाद खड़ा कर दिया। हिंदू समूह ने शुक्रवार को मॉल के सामने सुंदर कांड का पाठ करने के लिए स्थानीय अधिकारियों से भी अनुमति मांगी। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा, "एक विशेष समुदाय के लोगों को मॉल के अंदर नमाज अदा करने की अनुमति दी जा रही है। मॉल के अधिकारियों को हिंदुओं और अन्य समुदायों के लोगों को भी प्रार्थना करने की अनुमति देनी चाहिए।" उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुवार को उन्हें मॉल में प्रवेश नहीं करने दिया गया। हिंदू समूह ने मॉल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और दावा किया कि मॉल के 70 प्रतिशत कर्मचारी मुस्लिम हैं और ऐसा करके वे 'लव जिहाद' कर रहे हैं। मॉल के अधिकारियों ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धारा 153ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295ए (धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों), 341 (गलत संयम के लिए सजा) और अन्य प्रासंगिक के तहत एक शिकायत दर्ज कराई है।

संपादकीय

जायज नाजायज

कुछ दिनों पहले विभिन्न शहरों में बुलडोजर से मकान ढहाने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी कि इस तरह लोगों के घर तोड़ने पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कहा कि वह ऐसा कोई आदेश नहीं दे सकती, जिससे स्थानीय निकायों के अधिकारों में कटौती होती हो। यानी स्पष्ट है कि जहां भी अवैध निर्माण होगा, उसे तोड़ने का अधिकार सरकारों को है। हालांकि याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि पिछले दिनों हुई तोड़-फोड़ एक खास समुदाय को लक्ष्य बना कर की गई। उन्होंने दिल्ली के फार्म हाउसों का उदाहरण देते हुए बताया कि उनमें से बहुत सारे अवैध हैं, पर उन पर कभी बुलडोजर नहीं चलता। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था, जिस पर उसने सफाई देते हुए कहा है कि कुछ लोग इस तरह की दलीलों से अवैध निर्माण को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, जितने भी मकान ढहाए गए, उनमें कानूनी तरीका अपनाया गया। हालांकि इस संदर्भ में अदालत ने मध्यप्रदेश और गुजरात सरकारों को भी नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है और इस पर सुनवाई की अगली तारीख दे दी है। शहरों में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर भवन निर्माण करना कोई छिपी बात नहीं है। इसके अलावा बहुत सारे लोग अपने मकान की तय सीमा से बाहर जाकर पार्क, पैदल चलने या सड़क आदि के लिए छोड़ी गई जमीन पर अतिक्रमण कर मकान का आकार बढ़ाते भी देखे जाते हैं। देश के सारे शहर अवैध कब्जा कर बनाए भवनों, कच्ची बस्तियों की वजह से सुविधाओं का दबाव झेल रहे हैं। इस पर पहले भी अदालत ने स्थानीय निकायों को फटकार लगाई थी। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर अनेक अवैध बस्तियां तोड़ी जा चुकी हैं। ऐसे में वह स्थानीय निकायों के अधिकार में कटौती का आदेश कैसे दे सकता था। यह ठीक है कि पिछले दिनों कई ऐसे मकानों पर बुलडोजर चले, जो किसी फसाद के फौरन बाद चले थे, इसलिए उनके पीछे राजनीतिक रंग तलाशे जा रहे हैं, मगर केवल उनको नजीर मान कर किसी व्यापक समस्या के हल में बाधा उत्पन्न करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर अदालत सीधे-सीधे बुलडोजर चलाने पर रोक लगा देगी, तो अवैध निर्माण और कब्जा करने वाले माफिया की पौ बारह हो जाएगी। मगर इस बात की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अगर प्रशासन या सरकार किसी गलत भावना से किसी का घर गिराती है, तो उसे कठघरे में न खड़ा किया जाए। अवैध निर्माण ढहाने के नियम-कायदे हैं। उसके अनुसार अदालती आदेश पर नोटिस देने के बाद ही कोई अवैध निर्माण गिराना होता है। यह भी कि जितने हिस्से में अवैध निर्माण हुआ या कब्जा किया गया है, उसी को तोड़ना होता है, न कि पूरे मकान को। प्रयागराज में एक व्यक्ति के पूरे घर को जिस तरह जमींदोज कर दिया गया, उस पर स्वाभाविक ही तीखी प्रतिक्रिया उभरी और उसे लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा पर सवाल खड़े हुए। इसलिए अभी सर्वोच्च न्यायालय ने सरकारों से स्पष्टीकरण मांगा है और वह क्या अंतिम फैसला सुनाता है, इसका इंतजार करना चाहिए। अभी अदालत ने एक सामान्य कार्रवाई से जुड़े नियमों की रक्षा करते हुए फैसला दिया है, सरकारों ने जहां भी गलत तरीके से, नियम-कायदों का उल्लंघन कर मकान ढहाए हैं, वह एक अलग विषय है।

शुभ नहीं संकेत!

गिर रहा है रुपया ।
शुभ नहीं संकेत ।।
अर्थव्यवस्था फिसल रही ।
जैसे फिसले रेत ।।
हुआ बुरा है हाल ।
है चिंता की बात ।।
होगा देना ध्यान ।
बिछे नई बिसात ।।
आई है जो मंदी ।
सब कुछ हुआ धड़ाम ।।
विश्व की खातिर भी ।
है बड़ा पैगाम ।।
मुश्किलों से है भरा ।
आने वाला कल ।।
सोचना ही होगा ।
निकले ठोस हल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मुफ्त बांटने की राजनीति का अर्थ

पीएस बोहरा

राजनीतिक दलों द्वारा जनता को मुफ्त सुविधाएं देने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। दूरगामी आर्थिक विकास की सोच इस पक्ष में नहीं है। कई राज्यों में यह भी देखने को मिल रहा है कि कर संग्रह बढ़ाने के मकसद से शराब की बिक्री पर अधिक जोर दिया जा रहा है, क्योंकि आय बढ़ाने के अन्य स्रोत वर्तमान में उनके पास नहीं हैं। लोकलुभावन आर्थिक विकास की इस सोच ने क्या समाज को विनाशकारी राह पर नहीं मोड़ दिया है?

आर्थिक विकास की नीतियां तब अपने लक्ष्य से भटक जाती हैं जब उनमें राजनीतिक सोच और उसके फायदे हावी हो जाते हैं। अंततः गरीब तबके का व्यक्ति इससे विकास की मुख्यधारा से छिटक जाता है और धीरे-धीरे आर्थिक स्थितियां विपरीत होने लगती हैं। पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक विकास के मोर्चे पर एक नई राजनीतिक सोच पैदा हुई है। अब लोकलुभावन विकास को जन कल्याणकारी योजनाओं द्वारा हर सत्तापक्ष भुनाना चाहता है, जिसका वास्तविक आधार कुछ वस्तुओं और सेवाओं को मुफ्त बांटना हो गया है। मुफ्त बांटने की यह राजनीतिक सोच आर्थिक बदहाली को आमंत्रण दे रही है। यह भी सच्चाई है कि हमारा लोकतंत्र जन कल्याण उन्मुख है। उसका उद्देश्य समाज का आर्थिक विकास करना तथा उसका अधिकतम फायदा गरीब तबके को उपलब्ध करवाना है। इसलिए मुफ्त बांटने की सोच इस संदर्भ में जायज भी दिखती है। वस्तुओं और सेवाओं को कम मूल्य या रियायती दरों पर उपलब्ध करवाना समाज के हित में है। सबसिडी देना भी उचित है, क्योंकि बहुत सारे ऐसे क्षेत्र हैं, जिनको सरकारी आर्थिक सहायता की सदैव आवश्यकता रहती है। इनमें कृषि क्षेत्र प्रमुख है। उसी तरह दलितों का विकास भी मुख्य है। दूसरी तरफ जब आर्थिक विश्लेषण के पक्ष पर यह देखने को मिलता है कि सभी सत्तापक्ष अपने भविष्य को और मजबूत रखने के लिए अपने लोकलुभावन वादों को अमली जामा पहनाने की कोशिश वित्तीय कर्जों के माध्यम से कर रहे हैं। और तो और, कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा तथा सेवाओं के विकास में कमी करके बचाई गई रकम को मुफ्त योजनाओं में लगा देते हैं। इस कारण ये मुफ्त की योजनाएं पूर्णतः अनुचित प्रतीत होती हैं। यह चिंता आरबीआइ द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में भी जाहिर है। वर्तमान परिदृश्य में दस राज्यों की आर्थिक स्थिति डावांडोल है, क्योंकि उनका वित्तीय कर्ज और राज्य के जीडीपी का अनुपात बहुत अधिक बढ़ रहा है। इन सबमें पंजाब की स्थिति विकट है। अन्य राज्यों में राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा हैं। इसके अलावा इन राज्यों का (उत्तर प्रदेश और झारखंड के अलावा) वित्तवर्ष 2021-22 में वित्तीय घाटा उनके जीडीपी के तीन प्रतिशत से अधिक था। इन राज्यों में कर्ज पर ब्याज का भुगतान राजस्व का दस प्रतिशत से अधिक रहा है। वर्ष 2019-20 में मात्र ग्यारह राज्य वित्तीय मुनाफे में रहे थे। पंजाब इन दिनों मुफ्त में दी जाने वाली सुविधाओं (बिजली, पानी आदि) के कारण बहुत चर्चा में है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में मुफ्त में दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सुविधाएं, राज्य के जीडीपी का 25.6 प्रतिशत अनुमानित हैं, तो वहीं यह वित्तीय आय का 17.8 प्रतिशत है तथा कर संग्रहण का 45.4 प्रतिशत अनुमानित है। यह आंकड़ा आर्थिक विकास के मोर्चे पर चिंता और घबराहट का एक सूचक है।

यह लोकलुभावन कदम इसलिए गलत है, क्योंकि इससे आर्थिक नीतियां बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इसके विपरीत आज जरूरत है कि सभी राज्य अपने यहां डिजिटल तकनीक और सामाजिक सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करें तथा आर्थिक नीतियों को रोजगारोन्मुख बनाने को सर्वोपरि रखें। मुफ्त बांटने की इन योजनाओं के चलते राज्यों के पूंजीगत खर्च लगातार कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण नई संपदा का विकास नहीं हो रहा और आय नहीं बढ़ रही है। यह सोच भविष्य के बहुत बड़ा आर्थिक संकट का द्वार है। आंकड़ों के मुताबिक राज्यों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सबसिडी पर कुल खर्च वित्तवर्ष 2021-22 में 11.2 प्रतिशत से बढ़ा है। पिछले तीन वर्षों में इस पक्ष पर झारखंड, केरल, ओड़ीशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश मुख्य रहे हैं। रिपोर्ट में प्रस्तुत एक बात और चिंता का सबब है कि पिछले कुछ वर्षों से राज्यों के संदिग्ध दायित्वों का आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारी निकाय वित्तीय कर्ज ले रहे हैं, जिनकी गारंटी राज्य सरकारें दे रही हैं। क्रिसिल की ताज रिपोर्ट के अनुसार वित्तवर्ष 2021-22 के अंतर्गत राज्यों के संदिग्ध आर्थिक दायित्व जीडीपी के 4.5 प्रतिशत के बराबर हो गए हैं। इन सबमें मुख्य भूमिका राज्यों के विद्युत विभाग की है, जिनके हिस्से में चालीस प्रतिशत का दायित्व आ रहा है। अन्यों के अंतर्गत सिंचाई, बुनियादी ढांचे का विकास, भोजन और पानी की आपूर्ति के क्षेत्र मुख्य हैं। कुछ राज्यों का राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। मतलब स्पष्ट है कि राज्यों की कमाई और खर्च के बीच में अंतर लगातार गहरा रहा है। आरबीआइ की रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश, बिहार, राजस्थान और पंजाब में राजकोषीय घाटा वर्ष 2020-21 में पंद्रहवें वित्त आयोग द्वारा निश्चित किए गए स्तर से ऊपर था। दूसरी तरफ इन राज्यों के स्वयं के कर संग्रहण में भी लगातार कमी हो रही है, जो कि चिंताजनक है। आरबीआइ की रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार इन दस राज्यों के अंतर्गत बिहार की हालत बहुत चिंताजनक है, क्योंकि इसका खुद का कर संग्रह पिछले पांच वर्षों में कुल कर संग्रह का मात्र 23.5 प्रतिशत है, जबकि केंद्र पर इसकी निर्भरता करीब 75 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017-18 से 2021-22 के अंतर्गत औसतन केंद्रीय हस्तांतरण और अनुदान का प्रतिशत पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड और बिहार में पचास प्रतिशत के ऊपर रहा है। इसके अलावा गैर-कर राजस्व का प्रतिशत पिछले पाच वित्तीय वर्षों में सबसे कम पश्चिम बंगाल में रहा है। राजस्थान में 43 प्रतिशत का अंशदान स्वयं के कर संग्रहण का है।

(सामयिक) कविता

हमरा गांव में

अब ऊ सवाद कहां रहि गईल, कुइयां के ठंडा पानी पिपरे के छांव में।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में।। दूर दूर ना पानी बाटे। खेती ठप किसानी बाटे।।
झुट्ठे शेखी सभे बघारत,
अपना चढल गुमान में।।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में ---
जबरा के आगे अबरा रोअत।
हर दिन आपन सपना बोअत।।
कबों बइठ के घर के अंगना, कबों बइठ दलान में ।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में -----
केहू के वरषा ऋतु सह गईल। केहू जल प्रलय में बह गईल।केहू जान बचाई के भागल, देवतन के धाम में।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में -----
सूखा नंगा नाच करत बा।
घामें देहियां खूब जरत बा।।
दांत चियरले नहर दिखाले , गांव के सीवान में।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में ------
राजनीति क खेला मदारी।
अबरा पर लागत बा भारी।।
रजवा एक नजरिया दूगो,भाव भरल भगवान में।
खेत पानी खातिर तरसत आज हमरा गांव में ----

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

बच्चे अब बच्चे नहीं

मोनिका भांभू कलाना

बच्चों की गर्मी की छुट्टियां पूरी हो गई हैं। आजकल वे फिर से स्कूल जाने लगे हैं, हालांकि अधिकांश छुट्टियों के आखिरी दिन स्कूल का सोच कर थोड़े तनाव में ही रहे हैं। थोड़े दिनों में फिर उनकी जिंदगी व्यवस्था के घेरे में कैद हो जाने वाली है, जिसकी दहशत उनके अबोध मन में बराबर बनी हुई है। फिर से वही होमवर्क, वही साप्ताहिक परीक्षाएं, वही भागदौड़। स्कूल उनमें भय भरने लगा है।

बच्चे फिर वही बहाने बनाने शुरू करेंगे, कभी सिर दर्द, कभी पेट दर्द। दरअसल, हमारी स्कूली व्यवस्था ही कुछ ऐसी बन गई है कि वहां खुशी-खुशी, उत्साह से बच्चे कम ही सीखते हैं। हमारी शिक्षा-व्यवस्था की खामियों और उसकी सुस्ती पर सवाल जब-तब उठाए जाते रहे हैं, विशेषकर बच्चों और बचपन को लेकर इस व्यवस्था के बेहतर विकल्प खोजे जाने की बात सालों से की जाती रही है। मगर इसमें सुधार के तमाम प्रयास विफल ही साबित हुए हैं।

अक्सर यह देखने में आता है कि बच्चे जो पढ़ते हैं उसका मतलब वे नहीं जानते, न ही उन्हें बताया जाता है। इस तरह बहुत सारी चीजों का उन्हें बोध नहीं हो पाता। आज भी बहुतेरे बच्चों को इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता कि पढ़ना क्यों जरूरी है। उन्हें यही समझाया जाता है कि पढ़ोगे-लिखोगे नहीं तो नौकरी अच्छी नहीं मिलेगी, नौकरी अच्छी नहीं मिलेगी, तो जीवन खुशहाल नहीं होगा। इस तरह वे पढ़ने को एक ऐसा काम समझ कर (जो सजा के तौर पर उनसे करवाया जा रहा है) उसे समाप्त करके हल्का महसूस करते हैं। मजेदार बात यह है कि आजकल बच्चों को खाना क्यों जरूरी है, तक का कारण बताना पड़ता है अन्यथा भोजन के प्रति रुचि भी वे

महसूस नहीं करते। यह अच्छी बात है कि तार्किकता बढ़ रही है, लेकिन यह बोध के कम होने की तरफ भी संकेत करता है। दूसरी तरफ हम देखते हैं कि बच्चे टीवी के पीछे पड़े रहते हैं। दृश्य की मांग इतनी बढ़ गई है कि टीवी ही नहीं मोबाइल में वीडियो उन्हें दिखा दो, घंटों लगातार देखते हुए भी उनके मन में यह सवाल नहीं आता कि इसे देखना क्यों जरूरी है? क्योंकि गति का अपना आनंद है। बचपन को जो गति चाहिए, जैसा कौतूहल, जिस तरह का विस्मय, जैसी कल्पनाएं, कहानियां उनको चाहिए तकनीक उनको वह सब उपलब्ध करवा रही है। खेल का मैदान और परियों की कथाएं सब सिमट कर स्क्रीन तक आ गई हैं और स्क्रीन ने अपने काम को बखूबी अंजाम भी दिया है। इसके परिणाम क्या होंगे, यह एक अलग बहस का विषय है। पंद्रह साल तक के बच्चे भी अमूमन अपने पाठ्यक्रम से इतर किसी भी तरह की पुस्तक पढ़ने में रुचि नहीं रखते। आडियो का जमाना ही अब लद गया है। बच्चे अब कहानियां पढ़ने में नहीं, देखने में रुचि लेते हैं। वे खुद कल्पना करने की जहमत नहीं उठाना चाहते, प्रवाह में बहना चाहते हैं। कहानियां सुनने के लिए जिस धैर्य की जरूरत होती है, ह्यआगे क्या होगाह्ल की जो जिज्ञासा कहानी को कहानी बनाती है वह शायद हर जगह दुर्लभ होती जा रही है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन ने बहुत कुछ बदल दिया है। इतना कि एक ही बात जो वास्तव में घटित होती है, उसका तो असर बहुत कम होता है या नहीं ही होता है, लेकिन वही बात जब विज्ञापन या वीडियो के माध्यम से बच्चों तक पहुंचती है तो बिल्कुल कम उम्र के बच्चे भी दोस्तों के बीच चटखारे लेकर बताते देखे जाते हैं। भावनाओं का व्यक्ति से वस्तु में स्थानांतरण तो अब सहज स्वीकार्य हो गया है, मगर बच्चों को तो भगवान का रूप समझ कर शुद्ध प्रकृति ही समझा गया है। ऐसे में इतना तेज बदलाव क्या गुल खिलाएगा यह तो भविष्य का सवाल है। प्रश्न है कि क्या तकनीक ने जो कुछ करके बच्चों को अपना बना लिया, जीवन के अन्य क्षेत्रों, मसलन शिक्षा, व्यवहार आदि में भी उसे लागू करके क्या कोई सार्थक परिणाम हासिल किये जा सकते हैं? तकनीकी काल्पनिक प्रस्तुतीकरण जिस हद तक और जैसी शीघ्रता से हर उम्र के वर्ग को अपनी तरफ खींचने में सक्षम हुई है, क्या उससे जड़ हुई शिक्षा पद्धति को गतिशील बना कर बचपन के साथ उसका अहस्तक्षेपकारी और सहज संबंध बनाने की कोई संभावना है? इस बारे में न केवल सोचा जाए, बल्कि प्रयास भी होने चाहिए। और ये प्रयास सरकारी या प्रशासनिक ही नहीं, बल्कि निजी भी हो, ताकि अपने-अपने बच्चे की व्यक्तिगत पसंद और जरूरतों का खयाल भी हर किसी को रहे। यदि ऐसा संभव हो सके तो शिक्षा ऊपर से थोपी गई कोई चीज न होकर जीवन का सहज हिस्सा बनने में सक्षम हो सकेगी। कम मेहनत और कम तनाव के साथ हम अगली पीढ़ी के साथ एक सीधा और मजबूत पुल भी बना पाएंगे।

कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र हैं

सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है। बस!! जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की! जिसके बलपर सफलताओं की हदें पार की जा सकती है! खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं। इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2022 की थीम भविष्य के लिए युवा कौशल को बदलना रखा गया है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2022 की करें तो, विश्व युवा कौशल दिवस 2022 कोविड-19 महामारी से सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयासों के बीच हुआ है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं। युवा महिलाओं और लड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है,इसके अलावा संकट ने काम की दुनिया में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जो महामारी पर काबू पाने के बाद मांग में होंगे। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां, जैसे कि यूनेस्को यूएनईवीओसी, काम की दुनिया में पहुंच बाधाओं को कम करके इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं। 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम कौशलता विकास में भारत की करें तो यह हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण करता है। साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई): वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई): 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना 3.0: यह भारत के युवाओं को 300 से अधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरूआत की गई है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना: इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट): यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है।

आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प): इसका ध्यानअभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है। औद्योगिक मूल्य वृद्धि के लिए स्किल्स सुदृढ़ीकरण: स्ट्राइव योजना आईटीआई और शिक्षुता के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले स्किल्स प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्व बैंक की सहायता प्राप्त भारत सरकार की परियोजना है। पीएम युवा योजना (युवा उद्यमिता विकास अभियान): वर्ष 2016 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य उद्यमिता शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है; समर्थन और उद्यमिता समर्थन नेटवर्क तक आसान पहुंच और समावेशी विकास के लिए सामाजिक उद्यमों को बढ़ावा देना।

यंग, अपकमिंग एंड वसेर्टाइल ऑथर्स योजना, युवा लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम है। कौशलाचार्य पुरस्कार: स्किल्स प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने और अधिक प्रशिक्षकों को स्किल्स भारत मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू किया गया। शिक्षुता और स्किल्स में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना: यह योजना राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के माध्यम से अप्रैल 2019 में बाहर निकलने वाले सामान्य स्नातकों को उद्योग शिक्षुता अवसर प्रदान करने के लिए है। आत्मानिभर कुशल कर्मचारी नियोक्ता मानचित्रण -2020 में शुरू किया गया, यह कुशल लोगों को स्थायी आजीविका के अवसर खोजने में मदद करने के लिए एक पोर्टल है

साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई के इतिहास की करें तो,18 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से श्रीलंकाके नेतृत्व में एक प्रस्ताव अपनाया, और 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। वैश्विक स्तरपर युवा कौशल विकास के महत्व को उजागर करने के लिए श्रीलंका ने जी77 (77 देशों का समूह) और चीन की सहायता से इस संकल्प की शुरूआत की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2022 को मनाया जा रहा है।कौशलता विकास संकटमोचक बौद्धिक अस्त्र हैं। कौशलता विकास परिवर्तन के वाहक युवाओं की समृद्धि के विकास का मूल मंत्र है। कौशलता विकास का सामाजिक आर्थिक सुधारों बढ़ती असमानता बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा।

क्या एलियंस ने पहले ही कर दी थी 9/11 भविष्यवाणी ?

डाक्टर का दावा-दशकों पहले उसका पत्नी संग एलियंस ने अपहरण कर लिया था

नई दिल्ली। दुनियाभर में एलियंस को लेकर अजीबोगरीब दावे किए जाते हैं। समय-समय पर एलियंस को लेकर नई-नई थ्योरी सामने आती रहती है। कई बार लोग धरती पर एलियन और यूएफओ को देखने का दावा कर चुके हैं। कई बार ऐसे दावे किए जाते हैं जिनके बारे में जानकर वैज्ञानिक भी हैरत में पड़ जाते हैं। ब्रह्मांड में क्या एलियन का अस्तित्व है? इसको लेकर किसी के पास कोई ठोस सबूत नहीं है।

एलियन के अस्तित्व को लेकर वैज्ञानिक सालों से शोध कर रहे हैं, लेकिन उनको अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। लेकिन एलियन को लेकर आए दिन हैरान करने वाले दावे जरूर किए जाते हैं। अब इस बीच एक शख्स ने अजीबोगरीब दावा किया है। डॉ. लुईस तुरी ने दावा किया है कि उनको और उनकी पत्नी का एलियन ने अपहरण कर लिया था। उनका कहना है कि एलियन साल 1991 में दोनों को उठाकर ले गए थे। डॉ. लुईस तुरी का दावा है कि एलियन ने अपहरण करने के बाद उनके सिर में एक हेलमेट लगा दिया। वह दुनिया के रहस्य और चीजों का आकलन करना चाहते थे जिसके लिए ताकत डाली थी। इसके बाद उन्होंने ऐसा दावा किया है जिसके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। उनका दावा किया है कि पत्नी ब्रिगिट के गर्भ में बच्चा पल रहा था जिसे एलियन ने पेट काटकर बाहर निकाल लिया, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसा लगाया जिससे पेट तुरंत जुड़ गया। डॉ तुरी का दावा है कि उन्होंने 9/11 हमले के साथ ही दुनिया की कई घटनाओं के बारे में पहले ही बता दिया था।

डा. तुरी ने एक डॉक्यूमेंट्री में इन बातों को बताया है। उनका कहना है कि अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई भी उनको जांच के लिए ले गई थी। जांच एजेंसी को लगता था कि वह भी हमले में शामिल थे। डॉ. लुईस तुरी से पहले भी कई लोगों ने एलियन को लेकर चौंकाने वाले दावे किए हैं। डॉक्यूमेंट्री 'कॉन्टैक्टीः ए कन्वर्सेशन विद डॉ. तुरी' में उन्होंने कहा कि मैंने सोचा जैसे मुझे परमात्मा ने स्पर्श किया था। वह आज तक यह नहीं समझ पाते हैं कि उनको शाप मिला है या फिर वरदान। उनका कहना है कि क्योंकि मुझे ऐसी शक्ति मिली है जिससे मैं ठोस भविष्यवाणी कर सकता हूं। डॉ. तुरी फ्रांस से साल 1984 में अमेरिका गए थे। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से बड़ी संख्या में लोगों को पलायन करना पड़ सकता है। डॉ. तुरी का दावा है कि उनके अंदर इतनी शक्ति है कि वह खुद को ठीक कर सकते हैं। उनका दावा है कि शक्तियों से अपना कैंसर भी ठीक किया है। इसके साथ ही उन्होंने चार यूएफओ देखने का भी दावा किया है।

ऑमलेट, अंडा करी पर नहीं चलेगा एसी

रेस्टोरेंट मालिक ने ग्राहकों के लिए रखी शर्त

नई दिल्ली। आजकल खाना खाने के लिए लोग वीकेंड पर रेस्टोरेंट जरूर जाते हैं। इसके साथ ही खाने के साथ ही कुछ खुशी के पल भी एंजॉय करते हैं। लेकिन अगर गर्मी के मौसम में हम कहीं खाना खाने जाते हैं, तो सोचते हैं एसी हो तो अच्छा रहता। अगर कोई रेस्टोरेंट एसी चलाने के लिए शर्त रख दे, तो आपका दिमाग घूम जाएगा। लेकिन अब एक रेस्टोरेंट ने एसी चलाने के लिए नया नियम बनाया है जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में रेस्टोरेंट के नियम के बारे में जानकारी दी गई है। अब आप इसको देखेंगे, हैरान हो जाएंगे और साथ ही हंस हंसकर लोटपोट हो जाएंगे। इस भयानक गर्मी में लोग एयरकंडिशन वाली जगह की तलाश करते हैं कि थोड़ी उनको गर्मी से राहत मिल जाए। हालांकि इस रेस्टोरेंट ने जो नियम बनाया है उसके बारे में जानकर आपके दिमाग का दही हो जाएगा। आइए जानते हैं कि आखिर ऐसा कौन सा नियम बनाया है जो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में पंजाबी भाषा में लिखा हुआ है। इसके साथ ही पोस्टर के ऊपर एसी लगा हुआ है। दुकानदार ने अब रेस्टोरेंट में एसी को चलाने के लिए शर्त रखी है। दुकान के मालिक ने एसी में बैठकर खाने के लिए मंहगे खानों के ऑर्डर की शर्त रखी है। अगर आप रेस्टोरेंट में सस्ते खानों का ऑर्डर करते हैं तो एसी नहीं चलेगा। इसके बारे में दुकानदार ने पोस्टर में ग्राहकों को बताने की कोशिश की है। आप पोस्टर में पढ़कर समझ सकते हैं कि आपको किन ऑर्डर पर एसी नहीं चलेगा। अब रेस्टोरेंट द्वारा लगाया पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। दुकानदार ने पोस्टर पर पंजाबी भाषा में लिखा है कि आमलेट, अंडा भुर्जी, अंडा करी और 250 ग्राम चिकन ऑर्डर करने पर एसी नहीं चलेगा। इस पोस्टर पर सोशल मीडिया यूजर कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। पोस्टर को देखने बाद ऐसा लगता है कि यह पंजाब में स्थित किसी रेस्टोरेंट का है।

हालांकि यह फोटो किसने खींची है और कहां की है इसकी जानकारी नहीं है। लोग दुकानों पर जाते हैं और कुछ भी खाने में लेते हैं, तो गर्मी से राहत पाने के लिए एसी चलाने के लिए कहते हैं। लेकिन इस दुकानदार ने पहले से ही ग्राहकों को अलर्ट कर दिया है कि इन सस्ते ऑर्डर पर एसी नहीं चलाया जाएगा। अब इस पोस्टर को पढ़कर रेस्टोरेंट में सस्ते खानों का ऑर्डर करने वाले ग्राहक पहले ही सावधान हो जाएंगे।

72 साल की लिनिया साल्वो ने साइकिल से पार किया अमेरिका

गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

43 दिन तक साइकिल चलाकर पूरी की अमेरिका की यात्रा

विश्व रिकॉर्ड धारक ने दिवंगत भाई को समर्पित की सफलता

कैलिफौर्निया। विश्व रिकॉर्ड बनाना कोई बच्चों का खेल नहीं। इसके लिए सालों की कड़ी मेहनत और लगन और तपस्या करते हैं रिकॉर्ड होल्डर्स, तब कहीं जाकर मिलती है सफलता। मेहनत के साथ अगर जोश, जज्बा और जुनून न हो तो कोई भी कारनामा कर दिखा पाना मुमकिन नहीं हो सकता है। और जब हौसले साथ हो तो कामयाबी कदम चूमने से पहले उम्र नहीं इरादे देखती है। लिनिया साल्वो नाम की महिला ने 72 साल की उम्र में जो कीर्तिमान गढ़ा वो आसान नहीं था। वो भी इस उम्र में तो बिल्कुल भी नहीं। 72 की उम्र में सायकिल से अमेरिका की यात्रा पूरी करने वाली महिला ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया। लिनिया साल्वो ऐसा करने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। ये यात्रा साल्वों ने 43 दिन में पूरी कर इतिहास रच दिया। लिनिया साल्वो ने जब अमेरिका की यात्रा की शुरूआत की थी उस वक्त वो 72 साल, 27 दिन की थीं, और ठीक 43 दिन बाद उन्होंने सैन डिएगो, कैलिफौर्निया में जाकर अपनी यात्रा को पूरा कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम हमेशा-हमेशा के लिए दर्ज करा लिया। साल्वो ने प्रशांत महासागर के तट पर उत्तर-दक्षिण में सायकिल चलाकर अमेरिका को कवर किया। 43 दिन की अपनी यात्रा में साल्वो ने अपनी 2,083 मील की यात्रा पूरी की और इसी के साथ साल्वो ने सबसे उम्रदराज महिला के तौर पर ऐसा कारनामा कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया। इससे पहले 2016 में भी लिनिया साल्वो ने 67 साल की उम्र में ओशनसाइड, कैलिफोर्निया से बेथानी बीच, डेल तक साइकिल से अमेरिका को पार करने का सबसे उम्रदराज इंसान का रिकॉर्ड हासिल किया था।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के बातचीत के दौरान साल्वो ने बताया कि उनका रिकॉर्ड स्पीड को लेकर नहीं बल्कि उम्र को लेकर है ऐसे में उन्हें अत्यधिक भागदौड़ और थकाऊं स्थिति में नहीं पड़ना पड़ता। इसलिए सायकिल से अपनी स्पीड को इतना बैलेंस रखती हैं कि यात्रा पूरी की जा सके। यानि साइकिलिस्ट की तरह उन्हें जोर लगाकर रफ्तार में रहने की जरूरत नहीं थी। साल्वो बताती हैं कि प्रशांत तट के साथ उनकी ये यात्रा संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में शांति चिन्ह की जीपीएस छवि बनाने की बड़ी परियोजना का एक हिस्सा थी। उनकी शांति चिन्ह परियोजना उनके भाई, जॉन थॉमस वेस्ट को समर्पित है, जिनकी मृत्यु 28 साल की उम्र में प्लेन क्रैश हादसे में मौत हो गई थी।

भारतीय सिनेमा

'लाल सिंह चड्ढा' कश्मीर से कन्याकुमारी तक का सफर

मुंबई। क्या आप जानते हैं कि लाल सिंह चड्ढा का गाना तुर कलेयां कई लोकेशन्स पर शूट किया गया है? दरअसल गाने की स्क्रिप्ट में विभिन्न डेमोग्राफिक्स को कवर करने की मांग की गई थी। बहुप्रतीक्षित लाल सिंह चड्ढा देश के डाइवर्स जॉग्रफिक्स क्षेत्रों में प्रवेश करता है, जो जितना पुराना हो सकता था उतना पुराना है। लाल सिंह चड्ढा का गाना 'तुर कलेयां' फिल्म के सबसे लंबे शॉट सीक्वेंस में से एक को प्रदर्शित करता है। इस लंबे सीक्वेंस को शूट करने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा।तुर कलेयां की शूटिंग के लिए टीम ने न केवल कश्मीर से कन्याकुमारी तक का सफर तय किया, बल्कि 5 सेकेंड के शॉट को निकालने के लिए दूर-दूर तक का सफर भी तय किया। इस दौरान आमिर खान अपने घुटने के दर्द से परेशन थे। इसकी वजह से न सिर्फ आमिर को पेन किलर्स का सहारा लेना पड़ रहा था, बल्कि वो शूटिंग के समय अपने फिजियोथेरेपिस्ट को भी साथ लेकर गए थे। बता दें, आमिर खान ने फिल्म के इन सीन्स को शूट करने के लिए काफी मेहनत की है। गंभीर दर्द में होने के बावजूद, आमिर खान ने शूट पोस्टपोन नही की और समय पर शूटिंग पूरी कर ली। स्टार ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि महामारी के कारण इस सीक्वेंस की शूटिंग में पहले ही देरी हो चुकी थी और वह इसकी शूट के लिए और इंतजार नही करना चाहते थे। आमिर खान प्रोडक्शंस, किरण राव और वायकॉम 18 स्टूडियो द्वारा निर्मित 'लाल सिंह चड्ढा' में करीना कपूर खान, मोना सिंह और चैतन्य अक्किनेनी भी हैं। ये फिल्म फॉरेस्ट गंप की ऑफिशियल रीमेक है। लाल सिंह चड्ढा 11 अगस्त 2022 को रिलीज होने वाली है।

सबसे बड़े कॉमेडी शो 'केस तो बनता है' की घोषणा

मुंबई। अमेजॉन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेजॉन मिनी टीवी ने आज नॉइस और कैंपस के साथ मिलकर अपने बड़े टाइटल - केस तो बनता है की घोषणा की। बानिजय एशिया द्वारा निर्मित, अपनी तरह के इस अनोखे साप्ताहिक कॉमेडी शो में रितेश देशमुख, कुशा कपिला और वरुण शर्मा जैसी देश की कुछ जानी-मानी हस्तियां दिखाई देंगी। भारत की पहली कोर्ट कॉमेडी - केस तो बनता है में, जनता का वकील झ रितेश, बॉलीवुड के कुछ बड़ी हस्तियों के खिलाफ सबसे विचित्र और प्रफुल्लित करने वाले आरोप लगाएंगे, जिनका बचाव उनके वकील वरुण करेंगे। इन गेस्ट सेलिब्रिटी के भाग्य का फैसला कुशा द्वारा निभाए गए एक न्यायाधीश द्वारा किया जाएगा, जिनके द्वारा दिया गया फैसला आखरी फैसला होगा। एक नया आयाम जोड़ने वाले गवाह होंगे जो विभिन्न अवतारों में नजर आएंगे। एक मनोरंजनकर्ता के रूप में रितेश की सिग्नेचर स्टाइल और उनकी कॉमेडी की ताकत के साथ, यह शो बड़े पैमाने में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। गिरीश प्रभु ने कहा कि युवा और सम्मोहक कहानियों के साथ भारत के लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए, अमेजॉन मिनी टीवी ने अपने दर्शकों से सीखने और उन्हें खुश करने का लगातार प्रयास किया है। क्रशड, एडल्टिंग, उड़न पटोलाज, शिम्मी, यात्री कृपा ध्यान दें और इश्क एक्सप्रेस सहित कई वेबसीरीज और पुरस्कार विजेता शार्ट फिल्मों के साथ हमने एक उल्लेखनीय यात्रा की है, जिसे हमारे दर्शकों ने सराहा है। हमें बानिजय एशिया के साथ साझेदारी करने पर गर्व है और केस तो बनता है में बॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को लाने के लिए रोमांचित हैं। भारत के सभी हिस्सों से करोड़ों अमेजॉन ग्राहक हर हफ्ते इस शो का मुफ्त में आनंद ले सकेंगे । अभिनेता रितेश देशमुख ने कहा - यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बहुप्रतीक्षित केस है। मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं कितना उत्साहित हूं। इस शो की शूटिंग के दौरान बिताया गया वक्त वरुण, कुशा और मेरे जीवन के सबसे यादगार पल थे, और केस तो बनता है हमारे प्यार का परिश्रम है। शो में वह सब कुछ है जिसकी आप उम्मीद कर सकते हैं - हंसी और ढेर सारे मजेदार पल जो मनोरंजन के स्तर को ऊंचा रखेंगे। केस तो बनता है एक अभिनव कॉमेडी फॉर्मेट है और हम इसे दुनिया के सामने लाने के लिए अमेजॉन मिनी-टीवी के साथ साझेदारी करके खुश हैं। हम देश भर के दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसबरी से इंतजार कर रहे हैं कि क्या वास्तव में केस तो बनता है।

कंगना रनौत ने शेयर किया इमरजेंसी का फर्स्ट लुक

मुंबई। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी बीते लंबे वक्त से सुर्खियों में है। अब उन्होंने इसका फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है। यूट्यूब पर 1.21 सेकंड के फर्स्ट लुक में कंगना रनौत इंदिरा गांधी के गेटअप में डायलॉग्स बोलती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर लुक की काफी तारीफ हो रही है। लुक वाकई पिछले की तुलना में काफी कन्विंसिंग है। फिल्म 2023 में रिलीज होगी। मूवी पॉलिटिकल ड्रामा है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में हैं। फिल्म में इमरजेंसी का वक्त दिखाया गया है। धाकड़ के फ्लॉप होते ही कंगना इस फिल्म की तैयारी में जुट गई थीं। टीजर की शुरूआत एक फोन कॉल से होती है। कंगना को पीछे से दिखाया जाता है। एक बंदा कंगना से पूछता है, जब प्रेसिडेंट निक्सन फोन लाइन पर आएं तो क्या वह आपको मैडम कहकर संबोधित कर सकते हैं। इस पर कंगना जवाब देती हैं, ठीक है, एक मिनट अमेरिका के प्रेसिडेंट को कह देना कि मुझे मेरे दफ्तर में सब मैडम नही सर कहते हैं। कंगना के लुक की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। कंगना सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर कई बार लिख चुकी हैं। उन्होंने लिखा था कि एक साल से इस पर काम कर रही हूं। अब लगता है कि मुझसे बेहतर डायरेक्टर इस फिल्म के लिए कोई और नहीं हो सकता। कंगना ने जब इमरजेंसी फिल्म के लुक टेस्ट की तस्वीर शेयर की थी तो इसका काफी मजाक उड़ा था। रिपोर्ट्स हैं कि उनका लुक एकदम परफेक्ट आए इसलिए उन्होंने ऑस्कर विनिंग मेकअप आर्टिस्ट डेविड मालिनोवस्की को हायर किया है। फिल्म को कंगना रनौत ही डायरेक्ट कर रही हैं। मणिकर्णिका के बाद उनके डायरेक्शन में बनने वाली यह दूसरी फिल्म है।

नीतू चंद्रा को बड़े बिजनसमैन ने दिया था 25 लाख रुपये महीने पर बीवी बनने का ऑफर

मुंबई। ऐक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने एक घटना के बारे में बताया है जिसमें एक बिजनसैन ने उनसे सैलरीड वाइफ बनने के लिए कहा था। इसके बदले वह उन्हें 25 लाख रुपये महीने देने को तैयार था। नीतू ने बताया कि 13 नैशनल अवॉर्ड विनर्स के साथ काम करने के बाद भी उनके पास न तो पैसा था, न ही काम। उन्होंने एक ऑडिशन के बारे में भी बात की जिसमें एक फेमस कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें एक घंटे के अंदर रिजेक्ट कर दिया था। नीतू चंद्रा ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया मेरी स्टोरी एक सफल ऐक्टर की असफल कहानी है। 13 अवॉर्ड विनिंग ऐक्टर्स और इतनी बड़ी फिल्मों में काम करने के बाद आज मेरे पास काम नहीं है। मुझे एक बिजनसमैन ने बोला था कि वह मुझे 25 लाख रुपये महीने देगा, लेकिन मुझे उसकी सैलरीड वाइफ बनना होगा। मेरे पास न पैसे थे और न ही काम। मैं चिंता में आ गई, इतना काम करने के बाद भी मैं यहां अनवॉन्टेड फील करने लगी। नीतू बताती हैं, एक कास्टिंग डायरेक्टर, काफी बड़ा नाम है लेकिन मैं नाम नहीं बोलना चाहती, ऑडिशन के टाइम पर ही मतलब उसने एक घंटे के अंदर बोला, मुझे माफ करना नीतू, ये हो नहीं पाएगा। आपने मेरा ऑडिशन लेकर रिजेक्ट कर दिया ताकि मेरा कॉन्फिडेंस तोड़ सको। नीतू चंद्रा ने अपना बॉलीवुड डेब्यू (2005 में) गरम मसाला से किया था। फिल्म में वह एयरहोस्टेस बनी थीं। इसके बाद वह ट्रैफिक सिग्नल, वन टू थ्री, ओये लकी लकी ओय 13बी और अपार्टमेंट जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उनकी आखिरी फिल्म कुछ लव जैसा थी जिसमें उनके साथ शेफाली शाह और राहुल बोस थे। ओय लकी लकी ओय को बेस्ट पॉप्युलर फिल्म का नैशनल अवॉर्ड मिला था।

हंसगुल्ले

एक महाकंजूस अपने बेटे को पीट रहा था...
पड़ोसी- क्यों पीट रहे हो इस मासूम को?
कंजूस- ये और मासूम? अरे! एक नंबर का शरारती है ये, मैंने इसे 1-1 सीढ़ी छोड़-छोड़ कर चढ़ने को कहा था। चप्पल कम घिसेगी...
नालायक, 2-2 सीढ़ी छोड़-छोड़ कर चढ़ा पजामा फट गया...

लोगों की बातें कभी दिल पर नहीं लेनी चाहिए।
लोग तो अमरूद खरीदते समय पूछते हैं...
मीठे हैं ना? फिर बाद में नमक लगाकर खाते हैं।

गर्मी का कहर शुरू...
एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी
एक राहगीर ने पूछा- डर नहीं लगता?
औरत- क्यों, इसमें डरने की क्या बात है...
अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई...
राहगीर अब कोमा में है...

आग में भी नहीं पिघलती ये विचित्र आइसक्रीम

धूप का भी नहीं होता असर, कई देशों ने किया है ये चमत्कार

कई देशों में बन चुकी है ऐसी आइसक्रीम

बीजिंग। चीन अपने अजीबोगरीब आविष्कारों को लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां आपको हर तरह का सामान मिल जाएगा और उसका विकल्प भी आसानी से आप यहां पा सकते हैं। उनके कई आविष्कार दुनिया में काफी पॉपुलर हुए हैं। अब चीन की एक आइसक्रीम चर्चा में है। वो इसलिए क्योंकि ये मेल्ट-प्रूफ आइसक्रीम है। यानी इस आइसक्रीम को गर्मी में रखने के बाद भी ये पिघलेगी नहीं। डेली मेल वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार हर्म्स ऑफ आइसक्रीम नाम के चीनी ब्रांड ने चीसक्रीम नाम की एक आइसक्रीम बनाई है जिसी चीनी भाषा में जोंग ज्यू गावो कहते हैं। ये आइसक्रीम पिघलती नहीं है। अब सोशल मीडिया पर इस आइसक्रीम के काफी चर्चे होने लगते हैं। एक तरह जहां लोग इसे कमाल का आविष्कार मान रहे हैं तो दूसरी तरफ इस आइसक्रीम को खाने से इंसानी शरीर पर होने वाले साइड इफेक्ट के बारे में भी सोच रहे हैं।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने आइसक्रीम को पिघलाने की काफी कोशिश की मगर वो नाकाम रहे। कुछ वीडियोज में तो आइसक्रीम के पास लाइटर तक लगा दिया गया, धूप में रखा गया मगर वो नहीं पिघली और उसका आकार भी ज्यादा नहीं बदला। आइसक्रीम को 1 घंटे तक 31 डिग्री सेल्सियस तापमान के कमरे में रखा गया मगर उसका आकार तब भी नहीं बदला। उत्तरी चीन के हांडान में रिकॉर्ड हुए एक फुटेज में नजर आ रहा है कि कैसे आइसक्रीम को आग में झुलसाया जा रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद फूड सेफ्टी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। चीसक्रीम की कीमत भी आसमान छूती है। आमतौर पर आपको आइसक्रीम पॉपसिकल 100 रुपये के अंदर मिल जाता है मगर इस आइसक्रीम के एक पीस की कीमत लगभग 800 रुपये है। सोशल मीडिया पर खड़े हो रहे विवाद के बाद कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि उनका प्रोडक्ट नेशनल फूड सेफ्टी रेगुलेशन के अनुसार ही बनाया गया है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने कहा कि उन्होंने आइसक्रीम में कैराजीनन गम मिलाया है जो एक तरह का समुद्री पौधा होता है। यही गम आइसक्रीम को उसका शेप खोने नहीं देता है। अब आप को लग सकता है कि ये पहली बार है जब ना पिघलने वाली आइसक्रीम का आविष्कार किया गया है। मगर ऐसा नहीं है साल 2016 से लेकर अब तक कई देशों में ऐसी आइसक्रीम का आविष्कार हो चुका है। गैस्ट्रोनट फूड नाम की कंपनी ने भी साल 2016 में ऐसी आइसक्रीम बनाई थी जो पिघलती नहीं थी। वहीं चीन से पहले जापान ने साल 2018 में ही ऐसी आइसक्रीम बना ली थी। जापानी साइंटिस्ट्स ने बायोथेरपी डेवलपमेंट रिसर्च सेंटर से ऐसी आइसक्रीम बनाने के लिए कहा था।इसमें स्ट्रॉबेरी के लिक्विड एक्सट्रैक्ट, पॉलिफेनॉल को मिलाया गया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी एक आइसक्रीम सैंडविच बनाई गई थी जिसे घंटों रख दिया जाए मगर वो पिघलती नहीं थी।

सलमान खान ने आयुष शर्मा को बताया सेल्फिश

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की तगड़ी फैन फॉलोइंग है और फैन्स उन पर खूब प्यार लुटाते हैं। सलमान ऑनस्क्रीन ही नहीं बल्कि ऑफस्क्रीन भी लोगों की मदद करने में पीछे नहीं रहते हैं। अर्पिता खान शर्मा के पति आयुष शर्मा फिल्म 'अंतिमः द फाइनल ट्रुथ' में सलमान खान के साथ काम कर चुके हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान ने कई राज खोले थे और एक शो में उन्होंने मजाक में आयुष को सेल्फिश ब्रदर इन लॉ बताया था। ये वीडियो क्लिप द कपिल शर्मा शो का है, जहां आयुष शर्मा के साथ सलमान खान फिल्म अंतिम द ट्रुथ को प्रमोट करने पहुंचे थे। शो में बातचीत के दौरान सलमान कहते हैं, 'ये इतना सेलफिश ब्रदर इन लॉ है... इतना सेलफिश है कि बीच में मेरा टाइमिंग दो तीन दिन ऑफ हो गया था, बॉडी को लेकर। अगर मुझे दो- तीन दिन मिल जाता तो... खुद प्रोड्यूसर मैं, लेकिन इसने अपनी बीवी से फोन कराकर बोला है कि उसे कहो कि वो दो दिन आगे न बढ़ाएं, अभी करते हैं।' वीडियो में आगे सलमान कहते हैं, 'क्योंकि इन्होंने वॉटर कट, सॉल्ट कट, चावल कट कर रखा था। अब ये पगलैट हो रहे थे और इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था। और अप्पन ने सब खा-पीकर बॉडी बनाई है।' दरअसल सलमान खान इस वीडियो में फिजीक की बात कर रहे थे और वो कह रहे थे कि उन्हें दो-तीन दिन और चाहिए था अपने फिजीक पर काम करने के लिए, लेकिन आयुष ने उन्हें वो टाइम भी नहीं दिया, जबकि वो खुद फिल्म क प्रोड्यूसर हैं। गौरतलब है कि 'अंतिमः द फाइनल ट्रुथ', 26 नवंबर 2021 को रिलीज हुई थी। फिल्म में सलमान के साथ ही आयुष शर्मा और महिमा मकवाना नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया था और फिल्म के प्रोड्यूसर सलमान खान थे। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिक्स रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म ने पहले दिन 5.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जबकि फिल्म का कुल कलेक्शन 39.06 करोड़ रुपये हुआ था।

देवघर विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला

108 किमी लंबे रास्ते में पैदल चल रहे लाखों कांवड़िए

पहले ही दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

■ देवघर (आईएएनएस)।

झारखंड के देवघर में गुरुवार को विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरूआत के साथ ही दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी है। पहले ही दिन अपराह्न एक बजे तक एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु यहां स्थित मनोकामना ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर चुके हैं। एक महीने तक चलने वाले इस मेले में जलाभिषेक और दर्शन का सिलसिला हर रोज सुबह चार बजे से रात दस बजे तक जारी रहेगा। बिहार के सुल्तानगंज स्थित उत्तर वाहिनी गंगा से लेकर झारखंड के देवघर स्थित बाबाधाम तक 108 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में यह एशिया का सबसे लंबा मेला माना जाता है। इस राजकीय मेले का औपचारिक उदघाटन बुधवार शाम को ही हो गया था, लेकिन धार्मिक दृष्टिकोण से गुरुवार तड़के तीन बजकर पांच मिनट पर बाबाधाम मंदिर का पट खुलने के साथ इसकी शुरूआत हुई। उल्लेखनीय है कि मेला शुरू होने के ठीक एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यहां जलाभिषेक और पूजा-अर्चना की थी।

बोल-बम के नारों से गुंजायमान हुआ देवघर, बासुकीनाथ मंदिर : गुरुवार को सुबह चार बजे से भक्तों को अरघा के जरिए जलाभिषेक की अनुमति दी गयी। बिहार के सुल्तानगंज से लेकर देवघर और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर तक का इलाका बोल-बम के नारों से गुंजायमान है। 108 किलोमीटर लंबे मार्ग में कांवड़ियों का अबाध काफिला दिख रहा है। रास्ते में बिहार एवं झारखंड सरकार के साथ-साथ सैकड़ों संस्थाओं की ओर से सेवा एवं विश्राम शिविर बनाए गए हैं।

देवघर के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर में वीआईपी, वीवीआईपी और आउट आफ टर्न दर्शन की व्यवस्था पूरी तरह बंद कर दी गई है। मंदिर में ज्योतिर्लिंग की स्पर्श पूजा की भी अनुमति नहीं दी गई है। दर्शनार्थियों की सुविधा के मद्देनजर अरघा के माध्यम से जलार्पण की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र में होल्डिंग पाइंट, आवास, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा, साफ-सफाई की भी व्यवस्था पर निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त अधिकारियों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों को सेवा भाव और विनम्रता से सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है।

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है यह शिवलिंग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बाबाधाम भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। सावन महीने में लाखों भक्त बिहार के सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचकर भगवान का जलाभिषेक करते हैं। देवघर में जलाभिषेक के बाद ज्यादातर श्रद्धालु दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर भी जाते हैं। यहां भी गुरुवार को सुबह 4.05 बजे श्रद्धालुओं ने बाबा पर जलार्पण शुरू किया। अनुमान है कि एक महीने तक चलनेवाले श्रावणी मेले में इस बार 50 से 60 लाख लोग पहुंचेंगे। गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि इस बार सावन और भादो महीने में दो करोड़ से भी ज्यादा दर्शनार्थियों के पहुंचने का अनुमान है।

आदिल खान ने 'शूरवीर' की शूटिंग के बारे में की बात

मुंबई (आईएएनएस)। आगामी ओटीटी शो 'शूरवीर' में वायुसेना के पायलट की भूमिका निभाने वाले अभिनेता आदिल खान को सीरीज में एक गहन पानी के भीतर के दृश्य के लिए एक मिनट के लिए अपनी सांस रोकनी पड़ी। सीक्वेंस शारीरिक रूप से मांग कर रहा था, क्योंकि अभिनेता को पानी के भीतर युद्धाभ्यास करना पड़ा था। इतना कठिन सीन करने के तरीके के बारे में बताते हुए आदिल ने कहा, हम पानी के भीतर थे और मैंने एक मिनट से अधिक समय तक अपनी सांस रोक रखी थी, लेकिन असली चुनौती हाथ और पैर बांधकर पानी के भीतर तैरना था।

मैंने झीलों और नदियों में तैरना सीखा। मेरे गृहनगर भोपाल में जो लोकप्रिय रूप से झीलों के शहर के रूप में जाना जाता है। लेकिन, उनके लिए सभी ग्रिलिंग इसके लायक है, इस उद्योग में मेरी यात्रा के दौरान, कई बार ऐसा हुआ है जब कोई विशेष शाट दिखता है और वास्तव में कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन मेरे लिए, जब भी मैं एक्शन शब्द सुनता हूं और मैं इसमें शामिल हो जाता हूं।

सारा, जाह्नवी ने अपनी निकट-मृत्यु यात्रा के बारे में किया खुलासा

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और जाह्नवी कपूर ने 'काफी विद करण' सीजन 7 के एक एपिसोड में अपनी एक यात्रा के बारे में खुलकर बात की जो उनके मुताबिक मौत के काफी करीब थी। केदारनाथ की प्राकृतिक सुंदरता की बात करते हुए जान्हवी और सारा ने यात्रा में पैदा हुई बाधा और दो निकट-मृत्यु अनुभवों के बारे में बताया। जब जाह्नवी ने सामान्य रास्ते पर चलने के लिए भैरवनाथ में एक रास्ता चुना, तो दोनों को अपने साहसिक कार्य में बड़ी बाधा का सामना करना पड़ा।

सारा ने कहा, हमने भैरवनाथ जाने का फैसला किया और चलने के लिए एक सामान्य रास्ता था। उस समय हम ठीक ठाक थे, हम पैदल ही चलते चले गए। चट्टानों की एक ढलान आई और जान्हवी ने कहा कि चलो इस पर चढ़ें। हालांकि चढ़ाई करने पर संदेह करने वाली सारा 'बजकिल' कहलाने से डरती थी। सारा ने बताया कि कैसे एक वक्त उन्हें लगा कि वो अब यहां से गिर जाएगी। बचने का कोई रास्ता न होने के कारण, उनको सांत्वना तब मिली जब उन्होंने एक व्यक्ति को अपनी ओर आते देखा, जो उनका फैन था। लेकिन उन्हें बहुत निराशा हुई जब उस व्यक्ति ने कोई मदद नहीं की, क्योंकि वह केवल उनके साथ एक सेल्फी लेना चाहता था। आखिरकार, सारा के ड्राइवर ने उन्हें ढूंढ लिया और विशेष बलों की मदद से उन्हें बचा लिया गया।

मौसम ने भी उनकी परेशानी बढ़ा दी थी। 6000 रुपए बचाने के लिए सारा के कम लागत वाले नो-हीटर होटल की पसंद को याद करते हुए, जान्हवी ने साझा किया कि कैसे इस विकल्प ने उन्हें लगभग ठंड से जमा दिया। उसने कहा, मैंने दो थर्मल, एक जैकेट, तीन शाल, दो ट्रैक पैंट और दो स्वेटर के साथ केदारनाथ की यात्रा की थी। करण, मैंने हर एक कपड़े पहने थे और तब भी कांप रही थी। यह कहते हुए कि जब तक सारा अपने दोस्तों से मिलकर उनके कमरे में लौटी, तब तक उसके होंठ नीले पड़ चुके थे और वह कांप रही थी। जान्हवी ने अपने बुरे होटल स्टे स्टोरी के बारे में कहा कि, शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस के तापमान में हीटर न होने के अलावा, होटल में बाथरूम भी ठीक नहीं था, अगर मैं उस पाट पर बैठ जाती, तो वह टूट जाता। 'काफी विद करण' सीजन 7 डिज्नी प्लस हाटस्टार पर प्रसारित होता है।

प्यार और रोमांस की गोली अर्जुन-कनिका की 'रूहानियत चैप्टर 2'

मुंबई(आईएएनएस)। अर्जुन बिजलानी और कनिका मान अभिनीत आगामी सीरीज 'रूहानियत चैप्टर 2' के निर्माताओं ने गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह प्यार, रोमांस और हमेशा के लिए जुड़ी हर चीज के बारे में बताता है। रिलीज पर टिप्पणी करते हुए, अर्जुन कहते हैं, पहले अध्याय के दौरान दर्शकों से मिले सभी प्यार के साथ, हम दूसरे अध्याय को प्रदर्शित करने के लिए रोमांचित हैं। इस बार, वे सेवर और प्रिशा के रिश्ते में अलग-अलग गतिशीलता देखेंगे। हम आगे देखते हैं ट्रेलर पर दर्शकों की प्रतिक्रिया के लिए और मुझे उम्मीद है कि वे भी पहले की तरह इस चैप्टर को पसंद करेंगे।

ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला द्वारा निर्देशित, सीरीज में अमन वर्मा और स्मिता बंसल भी हैं। 22 जुलाई से, 14-एपिसोडिक सीरीज, प्रीमियम लंबे प्रारूप के तीन एपिसोड हर शुक्रवार को एमएक्स प्लेयर पर जारी किए जाएंगे। कनिका आगे कहती हैं, यह इतना अच्छा अहसास है कि हमारे प्रशंसक हमारे काम को पसंद कर रहे हैं और रूहानियत चैप्टर 2 जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। प्रिशा एक चुलबुली लड़की है जो अपने साथी और सच्चे रिश्तों में विश्वास करती है। दूसरे अध्याय में और अधिक ट्विस्ट और टर्न देखने को मिलेंगे। चैप्टर 2 का आकर्षक ट्रेलर शो की दिलचस्प थीम इज फारएवर लव ए लाई को दशार्ता है।

यूट्यूब पर सिर्फ **56** टिकटाक पर **91** मिनट

किशोर बिता रहे समय

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। बच्चे और किशोर दुनिया भर में गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब पर सिर्फ 56 मिनट की तुलना में चीनी शार्ट-वीडियो प्लेटफार्म टिकटाक पर रोजाना औसतन 91 मिनट की कंटेंट देख रहे हैं, यह नया डेटा में दिखाया गया है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 का डेटा इस बात की एक बड़ी तस्वीर पेश करता है कि कैसे टिकटाक ने वेब उपयोगकर्ताओं की अगली पीढ़ी को अपनी चपेट में ले लिया है। जेन जेड (मध्य से 1990 के दशक के मध्य और 2010 के दशक के मध्य में पैदा हुआ) और जेन अल्फा (2010 के दशक के मध्य के बाद पैदा हुआ)।

टिकटाक है सबसे पसंदीदा : टिकटाक की घटना जून 2020 में शुरू हुई जब इसने 4 से 18 साल की उम्र के लोगों द्वारा देखे जाने के औसत मिनट प्रतिदिन के मामले में यूट्यूब को पछाड़ना शुरू कर दिया। बुधवार की देर रात रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में, टिकटाक ने युवा उपयोगकर्ताओं के साथ अपना दबदबा कायम रखा है। पिछले साल अमेरिका में बच्चों और किशोरों ने औसतन 99 मिनट प्रति दिन टिकटाक पर और यूट्यूब पर 61 मिनट बिताए। यूके में, टिकटाक का उपयोग प्रति दिन 102 मिनट तक था, जबकि यूट्यूब पर केवल 53 मिनट।

यूट्यूब के पास यूट्यूब शार्ट्स नामक एक लघु-वीडियो प्लेटफार्म भी है, जिसने पिछले महीने 1.5 अरब लाग-इन मासिक उपयोगकर्ताओं को पार कर लिया, जो इसके लान्च होने के दो साल से भी कम समय में था। हालांकि, उपयोगकर्ता सभी आयु समूहों के हैं, न कि केवल बच्चों और किशोरों के।

कंपनी ने इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया कि कैसे टिकटाक अपने क्षेत्र में अपनी खुद की लंबी-फार्म कंटेंट के साथ लगातार प्रवेश कर रहा है और संभावित रूप से रचनाकारों को एक ऐसे प्लेटफार्म पर ले जा सकता है, जहां छोटी और लंबी दोनों सामग्री अधिक परस्पर जुड़ी हुई हो।

भारत में प्रतिबंधित टिकटाक ने बुधवार को बच्चों और किशोरों के लिए देखने के अनुभव को और सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए 'कंटेंट लेवल' फीचर पेश किया। आने वाले हफ्तों में, प्लेटफार्म 13-17 साल की उम्र के दर्शकों तक अत्यधिक परिपक्व थीम वाली कंटेंट को रोकने में मदद करने के लिए फीचर का एक प्रारंभिक संस्करण पेश करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, 18 साल से कम उम्र के लोगों को इसे टिकटॉक अनुभव पर देखने से रोकने में मदद करने के लिए संबंधित वीडियो को एक मैच्योरिटी स्कोर आवंटित किया जाएगा।

'काकटेल' को खास फिल्म मानती हैं दीपिका

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म काकटेल को अपने करियर की खास फिल्म मानती है। होमी अदाजानिया के निर्देशन में बनी फिल्म काकटेल में दीपिका पादुकोण के अलावा सैफ अली खान, डायना पेंटी, बोमन ईरानी, डिंपल कपाड़िया और रणदीप हुड्डा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। काकटेल बाक्स आफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म 'काकटेल' के प्रदर्शन के 10 साल पूरे हो गए हैं। 'काकटेल' में दीपिका ने वेरोनिका किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया।

इस फिल्म में निभाए गए किरदार को लेकर दीपिका पादुकोण का कहना है कि इसने मेरे लिए करियर में बहुत कुछ बदल दिया और मुझे पर्सनली भी मुझे प्रभावित किया। दीपिका पादुकोण ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि जब आप अपने हर किरदार में खुद का एक छोटा सा हिस्सा रखते हैं, तो आप उस किरदार का एक हिस्सा हमेशा के लिए अपने साथ रखते हैं और इसलिए, वेरोनिका हमेशा मेरे द्वारा पर्दे पर निभाए गए सबसे खास किरदारों में से एक होगी, जिसने मेरे लिए करियर में बहुत कुछ बदल दिया और मुझे पर्सनली भी मुझे प्रभावित किया।

काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल पूरे किए

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल पूरे कर लिए हैं। काजोल ने बालीवुड में अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1992 में प्रदर्शित फिल्म 'बेखुदी' से की थी। काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल पूरे कर लिए हैं। काजोल ने कहा, मुझे इस बात का अहसास ही नहीं हुआ कि मैं इंडस्ट्री में 30 साल पूरे कर रही हूं। मैं इसके लिए आप सभी की आभारी हूं।

मुझे आज भी ऐसा लगता है, जैसे मैंने कल ही इंडस्ट्री में कदम रखा था। फिर मैं अपने बच्चों को देखती हूं और सोचती हूं कि बच्चे भी बड़े हो गए तो टाइम तो जरूर पास हुआ होगा। मैं अब्बास-मस्तान, करण जौहर, आदित्य चोपड़ा, मेरे पति अजय देवगन सबकी आभारी हूं, जिन्होंने मुझे ऐसी अद्भुत स्क्रिप्ट और रोल दिए है। काजोल ने बताया कि वह जल्द ही ओटीटी पर नजर आने वाली हैं। काजोल ने कहा, ओटीटी आर्टिस्ट्स को कई मौके दे रहा है और उन्हें फ्री महसूस करा रहा है। थिएटर्स में फिल्म रिलीज होने के कई गंभीर मायने होते हैं। कई चीजें बड़े पर्दे पर हम दिखा नहीं पाते हैं उनके पास एक लिमिटेशन होती हैं। इस वजह से हमें कई बार राइटिंग में भी बदलाव करने पड़ते हैं।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। कंगना रनौत फिल्म 'इमरजेंसी' में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। कंगना इस फिल्म को निर्देशित करेंगी। वह इस फिल्म में अभिनय करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। इस तस्वीर में कंगना 'इंदिरा गांधी' बनी हुई हैं।

सफेद बाल, चेहरे पर हल्की-हल्की झुर्रियों में कंगना का अलग ही रुबाब देखने को मिल रहा है। इस पोस्टर के साथ कंगना ने कैप्शन में लिखा, इमरजेंसी का फर्स्ट लुक पेश है। दुनिया के इतिहास में सबसे शक्तिशाली और विवादास्पद महिलाओं में से एक का चित्रण। 'इस तस्वीर के अलावा कंगना ने फिल्म की एक झलक भी दिखाई है। कंगना ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें 1971 की एक घटना दिखाई गई है। इस वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे इंदिरा गांधी को तमाम अफसर मैडम की जगह 'सर' कहकर संबोधित करते थे। फिल्म 'इमरजेंसी' 25 जून 2023 को रिलीज होगी।

■ शो में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला और बालीवुड अभिनेता वरुण शर्मा भी होंग

'केस तो बनता है' में वकील बने रितेश देशमुख

मुंबई(आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेता रितेश देशमुख कामेडी रियलिटी वेब शो 'केस तो बनता है' में वकील की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साप्ताहिक कामेडी शो, जो ओटीटी पर आएगा, को बालीवुड के शीर्ष सितारों की विशेषता वाला भारत का पहला कामेडी कोर्ट माना जाता है। शो में डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कुशा कपिला और बालीवुड अभिनेता वरुण शर्मा भी होंगे।

रितेश 'जुंटा का वकील' की भूमिका निभा रहे हैं और बालीवुड की कुछ सबसे बड़ी हस्तियों के खिलाफ सबसे विचित्र और प्रफुल्लित करने वाले आरोप लगा रहे हैं, जिनका बचाव उनके वकील वरुण करेंगे। अपने नए शो के बारे में बात करते हुए, रितेश ने कहा, यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बहुप्रतीक्षित मामला है। मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं कितना उत्साहित हूं। वरुण, कुश और मेरे पास इस शो की शूटिंग के लिए हमारे जीवन का समय था और केस तो बंता है हमारे प्यार का एक श्रम है। इस शो में वह सब कुछ है जो आप मांग सकते हैं। हंसी और ढेर सारे मजेदार क्षण जो मनोरंजन के स्तर को ऊंचा रखेंगे। मुझे यकीन है कि पूरे भारत के दर्शक हंसी नहीं रोकेंगे। अतिथि हस्तियों के भाग्य का फैसला कुशा द्वारा निभाई गई एक न्यायाधीश द्वारा किया जाएगा, जिसका अंतिम शब्द प्रबल होगा। नए आयाम जोड़ने वाले गवाह होंगे जो विभिन्न अवतारों में दिखाई देंगे। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित, यह शो 29 जुलाई को अमेजन मिनीटीवी, अमेजन शापिंग ऐप और फायर टीवी पर शुरू होगा।

संक्षिप्त खबरें

एमडी पद के लिए सिफारिश

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो ने हाल में गठित 20,000 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण एवं विकास बैंक (एनएबीएफआईडी) के प्रमुख के पद के लिए यूनियन बैंक आफ इंडिया के पूर्व प्रबंध निदेशक राजकिरण राय जी. को नियुक्त करने की सिफारिश की है। इससे पहले, एफएसआईबी ने 13 जुलाई को पांच उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था। इस प्रक्रिया के बाद राय को चुना गया है। एफएसआईबी ने एक बयान में कहा, 'प्रदर्शन, अनुभव और मौजूदा मापदंडों के मद्देनजर ब्यूरो एनएबीएफआईडी में प्रबंध निदेशक के पद के लिए राजकिरण राय जी. के नाम की सिफारिश करता है।'

होंडा का किंड्रील से करार

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने आईटी अवसंरचना सेवा प्रदाता कंपनी किंड्रील के साथ करार किया है। एचएमएसआई ने एक बयान में कहा कि इसके तहत किंड्रील, कंपनी को उसके विनिर्माण संयंत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा रूपांतरण को बेहतर बनाने में मदद देगी। अभी किंड्रील सभी एचएमएसआई डीलरों के लिए संयंत्र उत्पादन कार्यो, उद्यम और डीलर प्रबंधन प्रणाली संबंधी अवसंरचना सेवाओं का प्रबंधन करती है।

नैनो यूरिया संयंत्र बनेगा

बेंगलुरु। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स को-आपरेटिव लिमिटेड (इफको) के 350 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नैनो यूरिया (तरल) संयंत्र की आधारशिला बृहस्पतिवार को यहां रखी जाएगी। इफको ने एक बयान में कहा, '350 करोड़ रुपए के निवेश से बनने जा रहे दक्षिण एशिया के पहले नैनो यूरिया संयंत्र की आधारशिला 14 जुलाई को बेंगलुरु में रखी जाएगी।' इफको ने कहा कि उसकी योजना देशभर में ऐसे आठ अन्य संयंत्र बनाने की है जिनकी क्षमता सालाना 34 करोड़ बोतल (500 मिलीलीटर) की हो।

शापूरजी का बिक्री लक्ष्य

नई दिल्ली। शापूरजी पालोनजी रियल एस्टेट कंपनी का बेंगलुरु में नए आवासीय टावर के जरिए 400 करोड़ रुपए का बिक्री लक्ष्य है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस टावर में 225 अपार्टमेंट हैं और यह बेंगलुरु में 46 एकड़ में फैली उसकी आवासीय योजना 'पार्कवेस्ट' का हिस्सा है। टावर की 225 इकाइयों की बिक्री के जरिए 400 करोड़ रुपए प्राप्त होने का अनुमान है। प्रत्येक इकाई की कीमत 1.62 करोड़ रुपए से शुरू है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी वेंकटेश गोपालकृष्णन ने कहा, 'घर खरीदारों से मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए हम पार्कवेस्ट 2.0 में नया टावर लेकर आ रहे हैं।'

सूर्या रोशनी के नए प्रोडक्ट

नई दिल्ली। लाइटिंग क्षेत्र की कंपनी सूर्या रोशनी ने दिवाली के मौसम के पहले अपनी लाइटिंग सीरीज में तीन नए उत्पादों को लांच करने की घोषणा की हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि दीवाली की रोशनी और खुशियों के बीच सूर्या रोशनी की योजना लाइटिंग की अपनी बेमिसाल श्रृंखला के जरिए सड़कों एवं घरों को रौशन कर त्योहारों के आनंद को बढ़ाना हैं। इसके तहत इन तीनों उत्पाद को अलग-अलग तरह की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया हैं। इन नये उत्पादों में एस-अल्ट्रा स्लिम, स्पार्कल रोप लाइट और जग-मग (फेस्टिव स्ट्रिंग लाइट) शामिल हैं।

प्रोपटेक में पीई निवेश बढ़ा

नई दिल्ली। प्रापर्टी के क्षेत्र में काम करने वाली टेक्नोलॉजी आधारित प्रोपटेक कंपनियों में वर्ष 2021 में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 35 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ रिकार्ड 74.1 करोड़ डालर के स्तर पर पहुंच गया। हाउसिंग डाटकाम की रिपोर्ट के मुताबिक रियल एस्टेट सेक्टर में तकनीक को अपनाए जाने के बढ़ते स्तर ने इस निवेश को गति दी हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि वर्ष 2020 के दौरान प्रोपटेक कंपनियों में 55.1 करोड़ डालर की पूंजी आई। वहीं 2009 से 2021 के दौरान भारत में प्रोपटेक इंडस्ट्री को कुल 3.2 अरब डालर की निजी फंडिंग हासिल हुई।(एजेंसियां)

महाराष्ट्र में पेट्रोल पांच रुपए व डीजल तीन रुपए सस्ता

■ राज्य के नए मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता को तोहफा ■ सरकारी खजाने पर बढ़ेगा 6000 करोड़ रुपए का बोझ

मुंबई/नई दिल्ली (भाषा)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में क्रमशः पांच रुपए और तीन रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

मंत्रालय में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद शिंदे ने संवाददाताओं को बताया कि इस फैसले से सरकारी खजाने पर 6,000 करोड़ रुपए का भार पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिवसेना और भाजपा की सरकार ने यह फैसला लोगों के कल्याण की खातिर लिया है।

उधर गुरुवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 54 वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गई है।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी इंडियन आयल के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग है।

केंद्र सरकार ने मई के अंतिम सप्ताह में आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपए और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी।

इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम क्रमशः 9.5 रुपए और सात रुपए प्रति लीटर तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.60 प्रतिशत बढ़कर 100.17 डालर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 96.76 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा।

साधारण बीमा कंपनियों के कर्मचारियों की हड़ताल आज

हैदराबाद (वार्ता)।

सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी 1 अगस्त, 2017 से देय वेतन संशोधन के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगे।

कल होने वाली हड़ताल में यूनाइटेड इंडिया, नेशनल, ओरिएंटल और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनियों में कार्यरत अधिकारी तथा कर्मचारी हिस्सा लेंगे। हैदराबाद क्षेत्र साधारण बीमा कर्मचारी एसोसिएशन के महासचिव वाईवी सुब्बाराव ने आज एक बयान में कहा कि एनपीएस को हटाने, सभी कर्मचारियों के लिए वर्ष 1995 की पेंशन योजना, पेंशन अपडेशन और परिवार के लिए न्यूनतम 30 प्रतिशत पेंशन जैसी अन्य मांगों को लेकर हड़ताल की जा रही है।

थोक महंगाई दर में आई मामूली कमी

■ जून में थोक महंगाई दर घटकर 15.18% हुई

नई दिल्ली (भाषा)।

विनिर्मित सामान एवं ईंधन उत्पादों की कीमतों के कमी के कारण जून, 2022 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति घटकर 15.18 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि खाद्य वस्तुओं के दामों में तेजी बनी हुई है।

सरकारी आंकड़ों से बृहस्पतिवार को यह जानकारी मिली है। पिछले महीने थोक मुद्रास्फीति 15.88 के रिकार्ड उच्च स्तर पर थी। जून, 2021 में यह 12.07 प्रतिशत थी। थोक मुद्रास्फीति बढ़ने का तीन महीने से जारी चलन जून में बंद तो हुआ लेकिन थोक मुद्रास्फीति अप्रैल, 2021 से लगातार 15वें माह 10 प्रतिशत से ऊंची बनी हुई है।

■ जून 2021 में 12.07 फीसद थी थोक मुद्रास्फीति की दर
■ लगातार 15वें माह दस फीसद से ऊपर है थोक महंगाई दर
■ ऊंची बनी हुई हैं खाद्य वस्तुओं की कीमतें

आंकड़ों के अनुसार, जून, 2022 में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 14.39 प्रतिशत रही। मई में यह 12.34 प्रतिशत थी। इसी तरह समीक्षाधीन महीने में सब्जियों की मूल्यवृद्धि 56.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। आलू के दाम माह के दौरान 39.38 प्रतिशत और फलों के 20.33 प्रतिशत बढ़े।

ईंधन और ऊर्जा खंड में मुद्रास्फीति 40.38 प्रतिशत, विनिर्मित वस्तुओं की मुद्रास्फीति 9.19 फीसद और कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस में मुद्रास्फीति 77.29 फीसद रही।

अमेरिका में महंगाई 41 साल के रिकार्ड स्तर पर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में महंगाई 41 साल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। जून 1981 के बाद से यह सबसे तेज सालाना दर से बढ़ी है। गैस से लेकर किराए और खाने की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते ऐसा हुआ है। ब्यूरो आफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने महंगाई के आंकड़े जारी किए है।

आंकड़ों के मुताबिक जून में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पिछले साल की तुलना में 9.1% की तेजी से बढ़ा है। इससे पहले मई में इसके बढ़ने की गति 8.6% थी। मासिक आधार पर इसके बढ़ने की गति 1.3% है। इसने फेडरल रिजर्व पर अपनी पालिसी को टाइट करने का प्रेशर बढ़ा दिया है। फेडरल रिजर्व के महंगाई के 2% के टारगेट से करीब 5 गुना है। फूड और एनर्जी प्राइस जैसे वोलेटाइल आइटम को छोड़कर कोर सीपीआई 0.7% और साल में 5.9% बढ़ी है। इस दौराना एनर्जी प्राइस साल में 41.6% बढ़े है। जून में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 1% की बढ़ोतरी हुई है। गैसोलीन के दाम साल में 60% बढ़े है। इलेक्ट्रिसिटी के दाम साल में 13.7% बढ़े। नए और पुराने वाहनों की कीमतें 0.7% और 1.6% बढ़े हैं।

आमतौर पर महंगाई तब बढ़ती है जब या तो डिमांड बढ़े या फिर सप्लाई कम हो जाए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के पीछे कई कारण बताए जा रहे है। एक कारण रूस-यूक्रेन जंग से जुड़ा है। दूसरा कारण डिमांड सप्लाई गैप है। कोरोना के खिलाफ तेजी से वैक्सीनेशन होने की वजह से अमेरिका की इकोनॉमी तेजी से सुधरी है।

सतत विकास लक्ष्यों के लिए निजी पूंजी का लाभ उठाने की जरूरत

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए मिश्रित वित्त और निजी पूंजी का लाभ उठाने की जरूरत पर बल दिया। सीतारमण इंडोनेशिया के बाली में आयोजित वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की तीसरी जी20 बैठक में 'जलवायु परिवर्तन के लिए सतत वित्त गोलमेज सम्मेलन' को संबोधित कर रही थीं।

वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'केंद्रीय वित्त मंत्री ने टिकाऊ वित्त को बढ़ाने तथा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की भूमिका, मिश्रित वित्त और निजी पूंजी का लाभ उठाने की जरूरत पर बल दिया।' सीतारमण ने ऊर्जा बदलाव के लिए भारत की द्विपक्षीय योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऊर्जा सम्मिश्रण में नवीकरणीय घटकों को बढ़ावा देना और ऊर्जा सक्षमता एवं सुरक्षा बढ़ाने के लिए नवोन्मेषी नीतिगत कदमों को अपनाने पर जोर दिया जाएगा।

निर्यात में 23% वृद्धि

■ जून में व्यापार घाटा उछलकर 26.18 अरब डालर पर पहुंचा

नई दिल्ली (वार्ता)।

पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रानिक सामान, टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के साथ भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जून 2022 में 23.52 प्रतिशत बढ़कर 40.13 अरब डालर रहा। जून 2021 में यह 32.49 अरब डालर था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जून में वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात 66.31 अरब डालर रहा जो पिछले वर्ष के इसी माह के 42.09 अरब डालर से 57.55 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 में तेज वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 26.18 करोड़ डालर पर पहुंच गया जो जून 2021 में 9.60 अरब डालर था। जून माह में गैर-पेट्रोलियम तथा गैर-रत्न आभूषणों (सोना, चांदी और कीमती धातु) का निर्यात 8.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 27.94 अरब डालर रहा जो पिछले वर्ष जून में 25.71 अरब डालर था। सरकारी आंकड़ों में बताया गया है कि जून में पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषणों को छोड़कर अन्य वस्तुओं का आयात 38.53 अरब डालर रहा जो एक वर्ष पहले की तुलना में 38.30 प्रतिशत अधिक है। जून 2021 में इन वस्तुओं का आयात 27.86 अरब डालर था।

देश का जून माह में वस्तु एवं सेवाओं सहित कुल निर्यात 64.91 अरब डालर रहा जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि से 22.95 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 का कुल आयात जून 2021 के मुकाबले 55.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.42 अरब डालर पर पहुंच गया। इन आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 119 प्रतिशत बढ़कर 8.65 अरब डालर रहा। इलेक्ट्रानिक उत्पादों का इस अवधि में निर्यात 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.67 अरब डालर रहा। इसी तरह जून 2022 में रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 50 प्रतिशत बढ़कर 1.5 अरब डालर दर्ज किया गया और इंजीनियरिंग समानों का निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 9.57 अरब डालर रहा।

८० रुपए प्रति डालर के नजदीक पहुंचा रुपया

मुंबई (वार्ता)। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डालर के चौबीस वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में बृहस्पतिवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 18 पैसे गिरकर अब तक के रिकार्ड निचले स्तर 79.99 रुपए प्रति डालर पर आ गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 22 पैसे लुढ़ककर 79.81 रुपए प्रति डालर पर रहा था।

शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे की बढ़त लेकर 79.72 रुपए प्रति डालर पर खुला और आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से समर्थन पाकर 79.71 रुपए प्रति डालर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि सत्र के दौरान लिवाली होने के दबाव में यह 79.99 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले सा के 79.81 रुपए प्रति डालर की तुलना में 18 पैसे टूटकर 79.99 रुपए प्रति डालर रह गया।

विश्लेपकों के अनुसार, अमेरिका में आसमान छूती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की उम्मीद में दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डालर 24 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इससे रुपए पर दबाव देखा जा रहा है। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार में लगातार जारी गिरावट से भी डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो रहा है।

अडाणी पोर्ट्स ने हासिल की नई उपलब्धि

लखनऊ (वि.)। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 99 दिनों में 100 एमएमटी कार्गो थ्रूपुट हासिल किया। कंपनी ने कहा कि यह एसईजेड की तेजी से सुधार की दक्षता को प्रदर्शित करता है। जिसे वित्त वर्ष 2014 में 100 एमएमटी वॉल्यूम प्राप्त करने के लिए एक वर्ष की आवश्यकता थी।

एपीएसईजेड के सीईओ करन अडाणी ने कहा, '2021 में, हमने दुनिया की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह कंपनी और 2030 तक भारत की सबसे बड़ी एकीकृत परिवहन उपयोगिता के रूप में उभरने की अपनी महत्वाकांक्षा को बताया।'

सेबी में की जाएंगी नई भर्तियां

■ संस्था के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में की जाएंगी 24 नई नियुक्तियां

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में 24 वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

यह नियुक्ति अभियान कर्मचारियों की संख्या बढ़ा देगा जिससे बाजार नियामक सेबी अपनी नियामक भूमिका का तेजी से और अधिक प्रभावी तरीके से निष्पादन कर सकेगा। एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, सेबी ने आवेदन आमंत्रित करते हुए उम्मीदवारों को नियामक में नौकरी दिलाने के झूठे वादे करने वालों के खिलाफ आगाह किया है। सेबी ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में अधिकारी ग्रेड ए (सहायक प्रबंधक) के पद के लिए आवेदन मांगे हैं।

बाजार नियामक ने इससे पहले विभिन्न धाराओं में 120 सहायक प्रबंधकों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। इससे पहले, नियामक ने मार्च, 2020 में 147 वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। लगभग 1.4 लाख लोगों ने इन पदों के लिए आवेदन किया था। उम्मीदवार 31 जुलाई तक आनलाइन माध्यम से पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। सेबी अगस्त-सितम्बर के दौरान इन पदों की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित करेगा। इस पद के लिए आवेदन करने के लिए किसी भी विषय में इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से कंप्यूटर एप्लीकेशन या सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होना आवश्यक है।

ट्रूकॉलर ने नया ऐप ओपन डोर्स लॉन्च किया

नई दिल्ली (वि.)। दुनिया में ग्लोबल कम्युनिकेशन के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म, ट्रूकॉलर ने बेहद सुरक्षित एवं गोपनीय तरीके से ऑडियो बातचीत के लिए नए ऐप ओपन डोर्स को लॉन्च किया। स्टॉकहोम और भारत की एक विशेष टीम ने साथ मिलकर कई महीनों की मेहनत के बाद इस ऐप को तैयार किया है।

लोगों के डिजिटल लाइफ को सुरक्षित बनाने वाले ऐप, ट्रूकॉलर और लोगों की निजी सुरक्षा के लिए मुफ़्त में उपलब्ध ऐप, गार्जियन को बनाने वाली स्वीडन की कंपनी ने अब एक नए लक्ष्य को हासिल करने की योजना बनाई है जिसका उद्देश्य लोगों को बातचीत का मजेदार एवं गोपनीय साधन उपलब्ध कराना है। लोग मुफ़्त में ओपन डोर्स का इस्तेमाल कर सकेंगे और यह ऐप पूरी दुनिया में गूगल प्ले स्टोर तथा एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध होगा। यह ऐप दोनों तरह के स्मार्टफोन प्लेटफॉर्म पर बिना किसी रुकावट के काम करता है।

मंदी की आशंका में सतर्क हुआ गूगल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में मंदी की तेज होती आशंकाओं के बीच गूगल सतर्क हो गया है। कंपनी ने अपने यहां भर्तियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों को चिट्ठी लिखकर इसकी जानकारी दी है। पिचाई ने कहा है कि कंपनी भर्तियों की रफ्तार कम करेगी। आवश्यक सेवाओं के लिए भर्तियां जारी रखेगी। ईमेल में कहा गया है कि 2022 और 2023 में कंपनी का फोकस सिर्फ इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी एनालिसिस और खास पदों पर कर्मचारियों की भर्ती करने पर है।

वर्ष 2022 के पहले चरण में कंपनी ने कर्मचारियों की भर्ती पूरी कर ली है। कंपनी ने कहा कि अगर मंदी आई तो इसके असर से हम भी अछूते नहीं रहेंगे। गौरतलब है कि हाल ही में गूगल में 10,000 कर्मचारी जोड़े जा चुके है। इस तरह कंपनी ने इस वर्ष के लिए भर्तियों का लक्ष्य हासिल कर लिया है। अब कंपनी अपनी भर्ती प्रक्रिया को धीमा करने जा रही है। अपने मेल में पिचाई ने लिखा है कि अन्य कंपनियों की तरह हम भी आर्थिक चुनौतियों से अछूते नहीं है। अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिदृश्य की हम अनदेखी नहीं कर सकते। हमने हमेशा ऐसी चुनौतियों को बाधाओं के रूप में नहीं बल्कि इनको अवसर के रूप में देखा है। वर्तमान परिस्थितियों को भी हम अवसर में बदलेंगे।' उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 और 2023 में कंपनी का फोकस इंजीनियरिंग, टेक्निकल और अन्य जरूरी सेवाओं में ही कर्मचारियों की भर्ती करने पर रहेगा।

दूरदराज के क्षेत्रों में ई-कामर्स की पैठ बढ़ाएगी सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ई कामर्स या डिजिटल कामर्स के लिए खुले नेटवर्क (ओएनडीसी) का पायलट चरण सफल रहने के बाद अब धीरे-धीरे इसका और शहरों तक विस्तार किया जाएगा।

ओएनडीसी एक यूपीआई-प्रकार का प्रोटोकाल है और इस पूरी कवायद का मकसद तेजी से बढ़ते ई-कामर्स क्षेत्र को दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना, छोटे खुदरा विक्रेताओं की मदद करना और दिग्गज आनलाइन खुदरा विक्रेताओं के वर्चस्व को कम करना है। ओएनडीसी का पांच शहरों में प्रायोगिक चरण चल रहा है और यह सफल रहा है।

गोयल से पूछा गया कि क्या उनकी योजना इसका विस्तार अन्य शहरों तक करने की है?

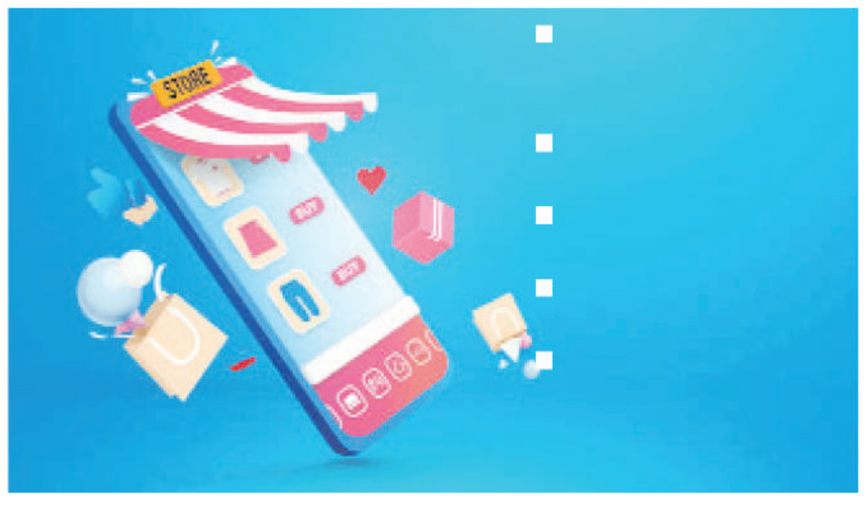

इस पर मंत्री ने कहा, 'बिलकुल है। उन्होंने कहा, 'ओएनडीसी का धीरे-धीरे विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह हम पता लगाएंगे कि इसका उपयोग करना कितना आसान है, डेटा एकत्रित करने के लिए हमें किस तरह की क्षमता की जरूरत है और पूरी प्रक्रिया का प्रबंधन किस तरह करना है। इस दिशा में काम अभी चल ही रहा है।' ओएनडीसी को अप्रैल में पांच शहरों दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भोपाल, शिलांग और कोयम्बटूर में शुरू किया गया था।

गोयल ने कहा, 'ओएनडीसी डिजिटल वाणिज्य दुनिया का प्रजांतत्रीकरण करना है। प्रौद्योगिकियों को भारत के सुदूर कोनों तक पहुंचाने के लिए यह कई स्टार्टअप को जन्म दे सकता है।'

प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई दिल्ली (वार्ता)।

आईबीबीआई ने भारतीय कारपोरेट विधि सेवा (आईसीएलएस) के 2020 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कंपनी मामलों के मंत्रालय ने यहां जारी बयान में जानकारी देते हुए कहा कि कल संपन्न इस कार्यक्रम के दौरान कई सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (संहिता), दिवाला सेवाओं के व्यावसायीकरण का व्यापक अवलोकन और नियामक की भूमिका का अवलोकन शामिल था। इसमें व्यावहारिक केस स्टडीज के माध्यम से विधिवत पूरक अवधारणाओं को भी शामिल किया गया।

कुलदीप व अश्विन की टीम में वापसी

वेस्टइंडीज टी20 सीरीज नहीं खेलेंगे कोहली, चहल व बुमराह

मुंबई । बीसीसीआई ने गुरुवार को इस महीने के अंत में कैरेबियन में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में कुलदीप यादव व रविचंद्रन अश्विन की वापसी हुई है, जबकि टीम में विराट कोहली, युजवेंद्र चहल और जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल नहीं हैं। 18 सदस्यीय भारतीय दल की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे। केएल राहुल को दल में जगह दी गई है लेकिन इससे पहले उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी होगी।

पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के विरुद्ध आखिरी बार टी20 टीम का हिस्सा रहे रविचंद्रन अश्विन की इस प्रारूप में वापसी हुई है। उनके अलावा स्पिन गेंदबाजी का भार कुलदीप यादव फिटनेस साबित करने के बाद, रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा के कंधों पर होगा। वनडे सीरीज से आराम मिलने के बाद हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगे। कोहली आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा हैं। इंग्लैंड सीरीज से पहले रोहित ने खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली का समर्थन किया था। विशेषज्ञों द्वारा कोहली को टीम से बाहर करने की बातों पर रोहित ने कहा था, मैं नहीं जानता ये विशेषज्ञ हैं कौन। मुझे तो यह भी नहीं पता कि उन्हें विशेषज्ञ क्यों कहा जाता है। वह बाहर से सब कुछ देख रहे हैं, उन्हें नहीं पता अंदर क्या चल रहा है। हम एक टीम गठित कर रहे हैं जिसमें बहुत सोच-विचार की आवश्यकता होती है। खिलाड़ियों का समर्थन किया जाता है और उन्हें मौके दिए जाते हैं।

उमरान मलिक को टीम में जगह नहीं

अपनी तेज गति से सभी को प्रभावित करने वाले उमरान मलिक को इस टीम में जगह नहीं मिल पाई है। चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को तरजीह दी है जो भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान और हर्षल पटेल के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। आयरलैंड में अपना टी20 डेब्यू करने वाले उमरान इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। नॉटिंघम में खेले अपने इकलौते मैच में उन्होंने 56 रन देकर एक विकेट झटका था, वहीं अर्शदीप ने सीरीज के पहले मैच में पदार्पण करते हुए अपनी लेट स्विंग से बल्लेबाजों को तंग किया और 18 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। बुमराह को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

ईशान किशन बैकअप ओपनर के रूप में शामिल

ईशान किशन को बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर की तरह चुना गया है। जून में जर्मनी जाकर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाने के बाद राहुल फिलहाल बेंगलुरु में स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। राहुल जून महीने की शुरुआत से टीम से बाहर हैं। दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टी20 सीरीज से बाहर रहने के बाद उन्हें एजबेस्टन टेस्ट के लिए चुना गया था, हालांकि चोट ठीक नहीं होने के कारण उन्हें मैच से बाहर रहना पड़ा और उनकी सर्जरी हुई। आयरलैंड के विरुद्ध अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले दीपक हुड्डा को कोहली की अनुपस्थिति में टीम में बरकरार रखा गया है। साथ ही दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और हाल ही में शतकवीर बने सूर्यकुमार यादव भी टीम में बने हुए हैं। वेस्टइंडीज दौरे की शुरुआत तीन मैचों की वनडे सीरीज से होगी जहां शिखर धवन भारतीय कप्तान होंगे। इसके बाद टी20 सीरीज का पहला मैच 29 जुलाई को ट्रिनिडैड में जबकि अगले दो मुकाबले सेंट किट्स में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें फ्लॉरिडा के लिए रवाना होंगी जहां अंतिम दो मैच आयोजित किए जाएंगे।

वेस्टइंडीज टी20 सीरीज के लिए भारतीय दलः रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जाडेजा, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

साइना, अर्जुन-ध्रुव क्वार्टरफाइनल में

सिंगापुर ओपनः दोनों खिलाड़ियों ने किया उलटफेर

कलांग । एमआर अर्जुन एवं ध्रुव कपिला की युवा पुरुष युगल जोड़ी और अनुभवी शटलर साइना नेहवाल ने गुरुवार को अपने अपने शीर्ष-16 मुकाबले जीतकर यहां सिंगापुर ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अर्जुन और ध्रुव ने उलटफेर करते हुए गोह से फी और नूर इज़ुद्दीन की मलेशियाई जोड़ी को 18-21, 22-20, 21-18 से हराया। दूसरी ओर, साइना ने विश्व की नौवें नंबर की चीन की ही बिंग जिओ को 21-19, 11-21, 21-17 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में भारतीय पुरुष जोड़ी का सामना इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंडर सेतियावान की अनुभवी जोड़ी से होगा जबकि साइना सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की आया ओहोरी से भिड़ेंगी। इसी बीच, सातवीं सीड बुसानन ओंगबामरुंगफान पर बुधवार को दमदार जीत दर्ज करने वाली अश्मिता चालिहा दूसरे दौर में चीन की हॉन यू से 9-21, 13-21 से हारकर बाहर हो गईं। पूजा डांडू और आरती सारा की महिला युगल जोड़ी को चीन की डू यू और ली वेन मेई से 12-21, 6-21 से शिकस्त मिली, जबकि नितिन वी और पूर्विशा राम की मिश्रित जोड़ी को जर्मनी के मार्क लैम्सफस और इसाबेल लोहाउ के हाथों 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रणय व सिंधु भी अंतिम आठ में

इससे पहले, भारत के स्टार शटलर एचएस प्रणय और पीवी सिंधु अपने अपने राउंड-ऑफ-16 मुकाबले जीतकर सिंगापुर ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये थे। थॉमस कप विजेता प्रणय ने पुरुष एकल मुकाबले में विश्व के नंबर चार खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन को 14-21, 22-20, 21-18 से मात दी। दूसरी ओर, सिंधु ने वियतनाम की थुए लिन नुएन को 19-21, 21-19, 21-18 से शिकस्त दी। अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंदी के सामने सिंधु पहले गेम में लयहीन नजर आयीं। इसी बीच, विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत को हराकर शीर्ष-16 में पहुंचे भारत के मिथुन मंजूनाथ आयरलैंड के न्हाट नुएन से 10-21, 21-18, 16-21 से हाकर बाहर हो गये।

बांग्लादेश ने विंडीज को रौंदा

गयाना । बांग्लादेश ने टेस्ट और टी20 श्रंखला हारने के बाद मेहदी हसन आठ ओवर, 29 रन, चार विकेट और नासम अहमद 10 ओवर, 19 रन, तीन विकेट की धारदार गेंदबाजी की बदौलत वेस्ट इंडीज को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में नौ विकेट से हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करते हुए विंडीज के खिलाफ लगातार 10वीं जीत दर्ज की। मेजबान विंडीज टीम पहले खेलते हुए 35 ओवर में ही 108 रन पर ऑल-आउट हो गई। कप्तान तमीम इकबाल 50 नाबाद के अर्द्धशतक की बदौलत बांग्ला टाइगर्स ने 109 रन का छोटा लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया और तीन मैचों की श्रंखला में 2-0 की बढ़त दर्ज की। विंडीज एक बार फिर स्पिन के सामने जूझती नजर आयी। नासम अहमद ने अपना पहला एकदिवसीय विकेट लेते हुए कैरिबियाई इमारत की पहली ईंट निकाली, और देखते ही देखते वह इमारत ध्वस्त हो गयी। मोसद्देक ने सबसे पहले सलामी बल्लेबाज काइल मेयर्स (17) के रूप में मैच का अपना एकलौता विकेट लिया, जिसके बाद नासम ने शाई होप (18) को मोसद्देक हुसैन के हाथों कैच आउट करवाया। वेस्ट इंडीज के लिये कीमो पॉल 24 गेंदों पर चार चौकों की मदद से सर्वाधिक 25 रन बनाकर नाबाद रहे, मगर किसी अन्य बल्लेबाज ने इनका साथ नहीं दिया। श्रंखला का तीसरा और अंतिम मैच शनिवार को खेला जाएगा जहां बांग्लादेश वेस्ट इंडीज पर अपनी लगातार 11वीं एकदिवसीय जीत तलाश करेगी। 109 रन का लक्ष्य हासिल कर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरी बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज नजमुल हसन शांतो 20 रन बनाकर आउट हो गये, लेकिन इकबाल और लिटन दास (32 नाबाद) ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए 20.4 ओवर में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। तीन मैचों की श्रंखला के दो मैचों में जीत के साथ बांग्लादेश ने लगातार पांचवीं एकदिवसीय श्रंखला अपने नाम कर ली है।

इंग्लैंड ने की बराबरी

भारत 100 रन से हारा, टॉप्ली ने लिए 6 विकेट

लंदन । भारत के खिलाफ दूसरे एक दिवसीय मैच में इंग्लैंड ने 100 रनों से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। 246 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 146 रन पर आल आउट हो गई।

भारतीय बल्लेबाजी का शीर्ष क्रम पूरी तरह से असफल रहा। रोहित शर्मा और ऋषभ पंत खाता खोले बगैर आउट हुए, जबकि शिखर धवन 9 रन और विराट कोहली 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सूर्य कुमार यादव 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हार्दिक पंड्या 29 रनों की पारी खेली। इससे पहले भारत ने युजवेंद्र चहल 10 ओवर, 47 रन, चार विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में गुरुवार को 246 रन पर ऑल आउट कर दिया। इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज 50 रन के आंकड़े को नहीं छू सका। मोईन अली ने 47(64), डेविड विली ने 41(49) और जॉनी बेयरस्टो ने 38 (38) रन बनाये। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और पहली गेंद पर ही इंग्लैंड पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय और बेयरस्टो ने सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिये 41 रन जोड़े, लेकिन रॉय हार्दिक पांड्या की गेंद पर लूज शॉट खेलकर सूर्यकुमार यादव को कैच पकड़ा बैठे। रॉय ने 33 गेंदें खेलकर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाये। पहले मैच की तरह इस बार भी इंग्लैंड का मध्यक्रम असफल रहा। रॉय के आउट होने के कुछ समय बाद चहल ने बेयरस्टो को भी बोल्ड करके पवेलियन लौटाया और इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गयी। जो रूट (11), बेन स्टोक्स (21) और कप्तान जॉस बटलर(4) का विकेट 30 रन के अंदर गंवाकर इंग्लैंड ने 102 रन पर अपनी आधी टीम को पवेलियन में लौटा हुआ पाया। इसके बाद लायम लिविंग्स्टन ने मोईन अली के साथ 46 रन की साझेदारी की। पांड्या की गेंद पर आउट होने से पहले लिविंग्स्टन ने दो चौकों और दो छक्कों की बदौलत 33 (33) रन बनाये।

बॉक्सिंग में खिलाड़ी को लगी गंभीर चोट, मौत

बेंगलुरु। एक किक बॉक्सर की बॉक्सिंग रिंग में गंभीर चोट लगने के बाद बेंगलुरु के एक अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बारे में जानकारी गुरुवार को लगी, जिसके बाद मृतक किक बॉक्सर की पहचान मैसूर निवासी 23 वर्षीय निखिल के रूप में हुई। मृतक बॉक्सर के माता-पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने आयोजक पर लापरवाही का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को बेंगलुरु के ज्ञाना ज्योति नगर इलाके के पाई इंटरनेशनल बिल्डिंग में राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दौरान हुई। निखिल मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। बॉक्सिंग रिंग में निखिल अपने प्रतिद्वंद्वी का जमकर सामना कर रहा था। हालांकि, दर्शकों के उत्साह के बीच बॉक्सिंग रिंग में अपने प्रतिद्वंद्वी से एक मुक्का खाने के बाद वह नीचे गिर पड़े। पुलिस का कहना है कि उनके सिर में गंभीर चोट आई थी और हालांकि उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। निखिल के माता-पिता ने कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ बेंगलुरु के ज्ञानभारती पुलिस स्टेशन में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत में यह भी कहा है कि चैंपियनशिप के दौरान मौके पर डॉक्टरों और एम्बुलेंस की कोई व्यवस्था नहीं थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी आयोजक नवीन रविशंकर फरार है और उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

डोपिंग उल्लंघन में शोहिदुल इस्लाम निलंबित

दुबई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोहिदुल इस्लाम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी के डोपिंग रोधी संहिता के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन के लिए दोषी ठहराया गया है, जिसके बाद क्रिकेट को 10 महीने के लिए सभी गतिविधियों से निलंबित कर दिया गया है। इस बारे में विश्व शासी निकाय ने गुरुवार को जानकारी दी। शोहिदुल ने 4 मार्च, 2022 को ढाका में आईसीसी के आउट ऑफ कॉम्पिटिशन परीक्षण कार्यक्रम के तहत एक सेंपल किया था, जिसमें क्लोमीफीन पाया गया था। क्लोमीफीन को वाडा की निषिद्ध सूची के तहत एक निर्दिष्ट पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह प्रतियोगिता में और प्रतियोगिता से बाहर दोनों में निषिद्ध है। निलंबन का फैसला लेते हुए आईसीसी ने पुष्टि की है कि शोहिदुल ने अनजाने में निषिद्ध पदार्थ का सेवन किया था। आईसीसी ने कहा, निर्णय लेने में आईसीसी ने स्वीकार किया कि शोहिदुल ने कोई महत्वपूर्ण गलती या लापरवाही नहीं दिखाई थी, अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन किया था, जो कि एक दवा में निहित था जिसे वह वैध रूप से चिकित्सीय कारणों से निर्धारित किया गया था। उन्होंने आगे कहा, शोहिदुल आईसीसी को संतुष्ट करने में सक्षम था कि प्रतिबंधित पदार्थों का उपयोग करके अपने खेल के प्रदर्शन को बढ़ाने का उसका कोई इरादा नहीं था। 27 वर्षीय तेज गेंदबाज ने उल्लंघन स्वीकार किया और 10 महीने का निलंबन भी मान ली है। इसलिए वह 28 मार्च 2023 को क्रिकेट में वापसी के पात्र होंगे। शोहिदुल ने बांग्लादेश के लिए एक अकेला टी20 मैच खेला है जिसमें उन्होंने श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में मोहम्मद रिजवान का विकेट लिया, जिसे पाक ने 3-0 से जीता था।

आईएसएसएफ विश्वकप

भारत ने चौथे दिन चार और पदक जीते

चांगवोन। भारतीय निशानेबाजी टीम ने गुरुवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में एक स्वर्ण और तीन रजत सहित चार पदक हासिल किये। अर्जुन बबुता, शाहू तुषार माने और पार्थ मखीजा की पुरुष टीम ने फाइनल मे मेजबान कोरिया को 17-15 से हराकर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। रमिता, टोक्यो ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन और मेहुली घोष की एयर राइफल महिला टीम ने कोरिया से स्वर्ण पदक मैच 10-16 से हारकर रजत पदक प्राप्त किया। दोनों पुरुष और महिला राइफल टीम ने क्रमशः 629.7 और 631.5 अंकों के साथ आठ-टीम योग्यता में शीर्ष स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया था। साथ ही शिव नरवाल नवीन और सागर डांगी की जोड़ी ने एयर पिस्टल पुरुष टीम स्पर्धा में इटली से 15-17 से हारने के बाद रजत पदक जीता। रिदम सांगवान, पलक और युविका तोमर की एयर पिस्टल टीम ने भी फाइनल में कोरिया के खिलाफ 12-16 से हारकर रजत पदक जीता। पुरुष और महिला पिस्टल टीमों ने क्वालीफिकेशन में 581-223 और 571-203 के साथ क्रमशः इटली और कोरिया के खिलाफ गोल्ड फाइनल में प्रवेश किया है।

पदक तालिका में शीर्ष पर भारत : कुल मिलाकर, भारत ने आठ पदक तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य जीते और वर्तमान में पदक तालिका में शीर्ष पर है। इसके बाद कोरिया तीन स्वर्ण और एक रजत के साथ दूसरे स्थान पर है।

राष्ट्रमंडल गेम्स में अचिंता करेंगे बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। साई केंद्र एनएसएनआईएस पटियाला में अचिंता शिउली हर प्रशिक्षण सत्र में लगातार बेहतर कर रहे हैं और इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल गेम्स में डेब्यू करने के लिए तैयार है। अचिंता 73 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। उनकी जीवन भर की कठिनाइयां और आंतरिक प्रेरणा, वर्षों से सम्मानित, बर्मिंघम में उनके प्रदर्शन में परिलक्षित होगी। हावड़ा के धूलागढ़ के रहने वाले 10 साल की उम्र में अपने भाई आलोक के साथ स्थानीय जिम में प्रशिक्षण के लिए जाते थे और सप्ताह के सभी सातों दिन कड़ी मेहनत करते थे। प्रारंभ में, वह सिंपल एक्सरसाइज करते थे, लेकिन बाद में वह लिफ्टिंग करने लगे। अचिंता ने साई से कहा, आजकल हर कोई फोन पर केंद्रित है। आपको जीवन में एक लक्ष्य रखने की जरूरत है। कई लोग लड़कियों को प्रभावित करने के लिए जिम जाना पसंद करते हैं। मैं आगे बढ़ना चाहता था, क्योंकि मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि बहुत अच्छी नहीं थी। मुझे पता था कि बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और इसलिए मैंने कदम दर कदम सुधार करने की कोशिश की। अचिंता ने 2013 में गुवाहाटी में अपने पहले राष्ट्रीय भारोत्तोलन में भाग लिया और चौथे स्थान पर रहे। 2018 खेलो इंडिया यूथ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता ने जुलाई 2019 में जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एपिया, समोआ में बड़े मंच पर पदक अपने नाम किए।

पिता करते थे मजदूरी

अचिंता का जुनून और अनुशासन घर की परिस्थितियों से प्रभावित था। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उनके पिता मजदूरी का काम करते थे। हालांकि 2013 में पिता की मृत्यु हो गई और मां को घर को व्यवस्थित रखने के लिए सिलाई और अन्य काम किया। अचिंता अपने जुनून के साथ डटे रहे और चुपचाप अपने लिफ्टिंग पर ध्यान देते रहे। अचिंता ने पिछले साल ताशकंद में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के पुरुषों के 73 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के लिए छह राष्ट्रीय भारोत्तोलन रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिसमें सीनियर ग्रुप में तीन शामिल थे।

उथप्पा के घर आई नन्ही परी, दूसरी बार बने पिता

नई दिल्ली । टीम इंडिया में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा चुके दाएं हाथ के बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा के घर नन्हा मेहमान आया है। वो दूसरी बार पिता बने हैं। पत्नी शीतल रॉबिन ने बिटिया को जन्म दिया है। उथप्पा ने स्वयं इस बात की जानकारी फैन्स को दी। चेन्नई सुपर किंग्स के इस बल्लेबाज ने गुरुवार को अपनी कंप्लीट फैमली की तस्वीर शेयर की, जिसमें वो बेटी को गोद में लिए नजर आ रहे है। पिक्चर में पत्नी और बेटा भी है। रॉबिन उथप्पा ने अपनी बेटी का नाम ट्रिनिटी थिया उथप्पा रखा है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में सलामी बल्लेबाज ने लिखा, प्यार से भरे दिल के साथ हम अपने घर के नए सदस्य को पेश करना चाहते हैं। मिलें मेरी बेटी ट्रिनिटी थिया उथप्पा से। हम बेहद अच्छा महसूस कर रहे हैं कि इस दुनिया में आने के लिए आपने हमें माता-पिता के रूप में चुना। हमें अपना अभिभावक और भाई चुनने के लिए शुक्रिया।

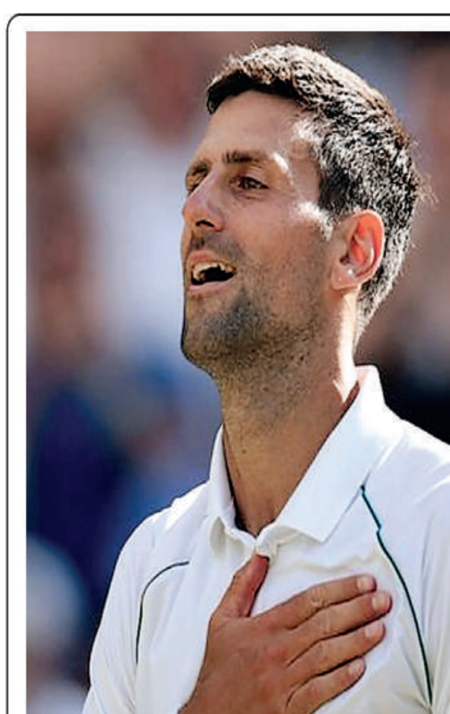

जोकोविच विसोको की नागरिकता से सम्मानित

नई दिल्ली। 21 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को बोस्निया और हजेर्गोविना के एक छोटे से शहर विसोको की नागरिकता से सम्मानित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अपनी सातवीं विंबलडन ट्रॉफी जीतने के तीन दिन बाद जोकोविच विसोको में एक टेनिस टूर्नामेंट शुरू करने के लिए बोस्निया पहुंचे और प्रदर्शनी एकल और युगल मैचों में भाग लिया। मेयर मिर्जा गनिक ने जोकोविच को मानद नागरिकता प्रमाणपत्र प्रदान किया और विसोको को दुनिया में लाने के लिए जोकोविच को धन्यवाद दिया। जोकोविच ने कहा कि उन्होंने इस कार्यक्रम का आनंद लिया और कोर्ट पर खूब मस्ती की। एकजुटता की भावना में, हमने भविष्य के लिए स्वास्थ्य, खेल और शांति का संदेश भेजा है।

शासन की मंशा के अनुरुप विभागीय कार्यों में लापरवाही व शिथिलता क्षम्य नहीं : मधुछन्दा

बिल्थरारोड (बलिया)। सीयर ब्लाक में नव नियुक्त पहली खण्ड विकास अधिकारी मधुछन्दा सिंह ने गुरुवार को मातहदों का परिचय लेने के उपरान्त दो टुक शब्दों मे चेताया कि शासन की मंशा के अनुरुप विभागीय कार्यों में लापरवाही व शिथिलता कत्तई क्षम्य नही होगी। यदि कोई समस्या है तो उसके निराकरण कराने के लिए वे तैयार हैं। सीयर ब्लाक के डवाकरा हाल में ग्राम पंचायत सचिवों व रोजगार सेवकों की संयुक्त बैठक में स्पष्ट रुप से कहा कि ग्राम पंचायतों के माध्यम से अनेक सरकारी कार्य सम्पादित होने हैं। कहा कि ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण में प्रगति लाने, सामुदायिक भवनों के निर्माण की प्रगति, आवास निर्माण, डुप्लीकेट जाब कार्ड का जियो टैग कराने, ग्राम में कायाकल्प में प्रगति लाने के साथ स्वयं सहायता समूहों के गठन पर जोर दिया। कहा कि सीडीओ बलिया द्वारा निरन्तर इन विन्दुओं पर समीक्षा की जा रही है। बीते दिनों हुए वृक्षारोपण की स्थिति की सीडीओ बलिया की ओर से क्रास चेकिंग की जानकारी देते हुए कहा कि जिन ग्रामों में लक्ष्य की पूर्ति नही हुयी है अथवा अपूर्ण है उसे तत्काल पूरा करा लें अन्यथा उनके खिलाफ कार्यवाही होना तय है। उन्होने नवागत ग्राम विकास एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों से तत्काल आवंटित ग्रामों का चार्ज लेने का निर्देश दिया। इस मौके पर दयाशंकर राय वरिष्ठ सहायक, मृत्युजय राय, प्रशान्त कुमार यादव, विनोद कुमार, सविता, अविनाश कुमार गुप्ता, संजय कुमार, हरिकेश गुप्ता, उपेन्द्र कुमार, चन्द्रभान गुप्ता आदि मौजूद रहे। संचालन एपीओ कामेश्वर सिंह ने किया।

ग्राम प्रधान ने वार्ड सदस्य को जान से मारने की दी धमकी

नगरा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत कमरौली में जेसीबी मशीन से अमृत सरोवर की खुदाई करने का विरोध करने पर ग्राम प्रधान ने वार्ड सदस्य को जान से मारने की धमकी दी। वार्ड सदस्य ने इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान सहित आधा दर्जन व्यक्तियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। नगरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत कमरौली में शासन से अमृत सरोवर स्वीकृत हुआ है। शासन के निदेर्शानुसार अमृत सरोवर की खुदाई मनरेगा के जॉब कार्ड धारकों से करवाना है। आरोप है कि ग्राम प्रधान अपने दबंगई के बल पर सरोवर की खुदाई जेसीबी मशीन से करवा रहा है। मंगलवार को ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 13 के सदस्य एवं ग्राम पंचायत निर्माण समिति के अध्यक्ष मुक्तिनाथ यादव ने ग्राम प्रधान द्वारा सरोवर की जेसीबी से खुदाई का विरोध किया तो ग्राम प्रधान उग्र हो गया और अपने घर एवअन्य लोगो को बुला लिया तथा वार्ड सदस्य मुक्तिनाथ से गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। दबंग ग्राम प्रधान एवं उसके लोगो द्वारा दी गई धमकी से वार्ड सदस्य एवं उसका परिवार काफी दहशत में हैं। वार्ड सदस्य ने बुधवार को ग्राम प्रधान सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नगरा पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग करते हुए स्वयं एवं परिजनों के जान माल की सुरक्षा की गुहार पुलिस से लगाई है।

सावन के पहले दिन मंदिरों पर रही चहल-पहल लखनेश्वरडीह मंदिर क्षेत्र में गूंजा हर-हर महादेव

रसड़ा (बलिया)। श्रावण माह के प्रथम दिन क्षेत्र के विभिन्न देवाधिदेव महादेव के मंदिरों पर पूजा अर्चन व बाबा को जलाभिषेक करने के लिये श्रद्धालुओं की चहल पहल रही। इस अवसर पर रसड़ा नगर समीपी ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल लखनेश्वरडीह किला स्थित बाबा लखनेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धालु पुरुषों महिलाओं, युवाओं व युवतियों की पूजा अर्चना के समय की पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज तथा भक्ति भावना से सरावोर रहा। श्रद्धालुजन तमसा नदी में स्नान ध्यान के बाद भूगर्भ स्थित बाबा का जलाभिषेक किया तत्पश्चात यहां के श्रीहरि विष्णु भगवान का भी दर्शन पूजन किया। यहां पहुंचे लोगों ने मन्दिर के महंत दीनदयाल दास उर्फ बालक बाबा? से प्रसाद लेकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त कर अपने ज्ञंतव्य के लिए प्रस्थान करते रहे । इस अवसर पर विशेष रूप से सुरक्षा के मद्देनजर बाबा लखनेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर पर्याप्त संख्या में महिला व पुरुष पुलिस कर्मी तैनात रहे। इसी प्रकार श्रीनाथ बाबा मठ स्थित क्षेत्र के अन्य शिवालयों पर भी दिन भर श्रद्धालुओं का तातां लगा रहा।

संक्षिप्त समाचार

कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय जी को स्वलिखित पुस्तक को भेंट कर उनका आशीर्वचन प्राप्त किया

प्रखर गोरखपुर। गिडा औद्योगिक क्षेत्र के आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के निर्देश पर प्रबन्धक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिंह संयुक्त रूप से कुलपती महोदय से मिलकर सीएसआर के कार्यो को कार्यन्वित करने की योजना पर विस्तार से वार्ता किया, तत्पश्चात डॉ सुनील कुमार मिश्र ने स्वयं द्वारा लिखित पुस्तक दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 को आज मदनमोहन मालवीय प्रद्यौगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जे पी पाण्डेय जी को सप्रेम भेंट कर आशिर्वाद लिया। इस विशेष भेंट में कुलपति महोदय ने जहां डॉ सुनील कुमार मिश्रा जी के द्वारा लिखित पुस्तक को विकलांगता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान बताया वहीं आईजीएल द्वारा डॉ मिश्रा के प्रयास से चलाए जा रहे जनकल्याण के कार्यों को देश व प्रदेश के लिए बेहद सराहनीय कदम बताया।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

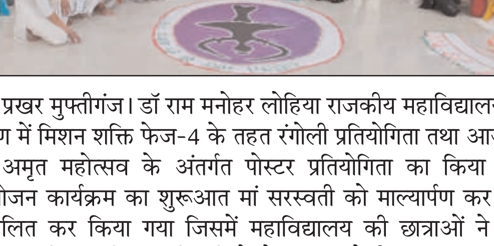

प्रखर मुफ्तीगंज। डॉ राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में मिशन शक्ति फेज-4 के तहत रंगोली प्रतियोगिता तथा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का किया गया आयोजन कार्यक्रम का शुरूआत मां सरस्वती को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया प्रतिभागियों के द्वारा रंगोली बनाकर प्रदर्शित किया गया जिसमें निर्णायक मंडल में श्रीमती कुसुम कुमारी,डॉ अजीत कुमार मिश्र व मनोज कुमार दुबे जी के द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया विजेताओं के नाम की घोषणा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जयप्रकाश पाठक के द्वारा किया गया तथा साथ ही सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मिशन शक्ति की संयोजक डॉक्टर प्रतिमा सिंह ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ सूर्योदय भट्टाचार्य, मंगला प्रसाद, अजय सिंह, मनोज कुमार व अजीत कुमार यादव आदि लोग उपस्थित रहे पुरस्कृत प्रतिभागियों में प्रथम स्थान पर कावेरी ग्रुप द्वितीय स्थान पर सद्भावना ग्रुप तृतीय स्थान पर नर्मदा ग्रुप व माही ग्रुप रहे।

ग्रामीणों की शिकायत पर कोटेदार के खिलाफ जांच करने पहुंचे अधिकारी

सिकन्दरपुर (बलिया)। तहसील क्षेत्र के ग्राम आदमपुर, प्रतापपुर में ग्रामीणों की शिकायत पर कोटेदार की जांच करने गुरुवार के दिन जांच टीम पहुंची, जहां पर जांच टीम ने सभी ग्रामीणों का बयान दर्ज किया। बताते चलें कि 1 जुलाई को ग्रामीणों ने कोटेदार की लिखित शिकायत एसडीएम सिकन्दरपुर से किया था। जिस पर जांच टीम गुरुवार को जांच करने पहुंची थी। जांच टीम ने कुछ लोगों का बयान दर्ज किया। कुछ ग्रामीणों नें कोटेदार के खिलाफ बात की, तो वहीं कुछ लोगों ने कोटेदार के पक्ष में बात की। इसी बीच वहां मौजूद ग्रामीणों ने कोटेदार को लेकर हल्ला मचाना शुरू कर दिया, जिसके कारण जांच टीम जांच को अधूरा छोड़कर तहसील मुख्यालय को रवाना हो गई। इस दौरान जांच टीम में आए सप्लाई इंस्पेक्टर राहुल भारती से पूछने पर उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर हम लोग जांच करने पहुंचे थे। 39 लोगों ने लिखित शिकायत थी, जिसमें सिर्फ 23 लोगों ने हीं अपना बयान दिया है। बाकी शिकायतकर्ता अनुपस्थित रहें। बताया कि अब यहां की स्थिति से एसडीएम सिकन्दरपुर को अवगत कराया जाएगा और पुनः इसकी जांच पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी जांच पूरी नहीं हुई है।

जिले के विभिन्न सरकारी/अर्द्ध सरकारी विभागों में सेवामित्र से कराये कार्य

बलिया। जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार के सेवायोजन विभाग द्वारा sewamitra.up.gov.in नाम से सेवायोजन पोर्टल/मोबाईल एप्प विकसित कराया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से सर्विस प्रोवाइडर (सेवाप्रदाता) एवं सेवामित्रों (कुशल कामगारों) द्वारा प्रदेश के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों एवं शासकीय कार्यालयों में स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के सेवाएं जैसे इलेक्ट्रिशियन/नर्सिंग/कारपेन्टर/ए0सी0 सर्विस/मैकैनिक/टैक्सी सर्विस/रंगाई-पुताई/कम्प्यूटर एप्लाएंसेस/ प्लम्बर/ नाई/बढई आदि कराई गई है। नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने हेतु विकसित की गई व्यवस्था में सेवा का परिचलन कुशल कामगार अर्थात सेवामित्र व उपभोक्ता के मध्य सीधे न होकर पोर्टल पर पंजीकृत सेवाप्रदाता के माध्यम से किया जाएगा। जनपद के विभिन्न सरकारी/अर्द्ध सरकारी विभागों एवं उनके अर्न्तगत संस्थानो द्वारा भी विभिन्न प्रकार की सेवाएं विभिन्न माध्यमों से प्राप्त की जा रही है।

श्री नरहेजी नगर नरही में ईफको के तत्वावधान में खेती के तकनीक पर की गई चर्चा

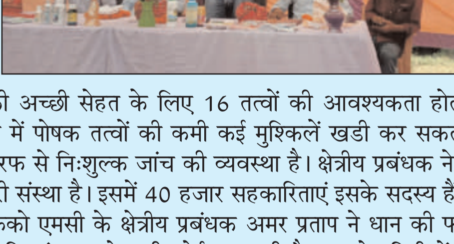

नगरा। श्री नरहेजी नगर नरही में ईफको के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित किसान सम्मेलन में खेती के विभिन्न तकनीक की चर्चा की गई। श्री नरहेजी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की तरफ से हुए किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए ईफको बलिया के क्षेत्रीय प्रबंधक अनुज कुमार शुक्ल ने कहा कि किसान अन्नदाता होने के साथ ही कृषि वैज्ञानिक भी है। अच्छी उपज के लिए फसलों को पोषक तत्व देना जरुरी है। मिट्टी की अच्छी सेहत के लिए 16 तत्वों की आवश्यकता होती है। उन्होने अगाह कि यदि हम नही संभले तो मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी कई मुश्किलें खडी कर सकती हैं। कहा कि मिट्टी की जांच जरुरी है। ईफको की तरफ से निःशुल्क जांच की व्यवस्था है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि ईफको विश्व का सबसे बडा उर्वरक सहकारी संस्था है। इसमें 40 हजार सहकारिताएं इसके सदस्य हैं। यह संस्था किसानों के हित में कार्य कर रही है। ईफको एमसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अमर प्रताप ने धान की फसलों में होने वाले रोगों के प्रति सजग करते हुए कहा कि कंडुआ रोग की कोई दवा नही है। यह रोग मिट्टी में ज्यादे नमी के कारण होता है। इस रोग से बचाव ही एक मात्र उपाय है। सहायक प्रबंधक जयकांत मौर्य ने किसानों को सुझाव दिया कि धान के पौधे की सिचाई दिन में न करें। धूप में सिचाई करने पर नर्सरी कमजोर हो जाती है। पौधा पीला हो जाता है। कहा कि फसलों की आवश्यकतानुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें। उन्होने झुलसा रोग पर नियंत्रण पाने का उपाय भी बताए। इस दौरान किसानों ने अधिकारियों से खेती से संबंधित अनेक प्रश्न भी पूछे। सर्व प्रथम नरहेजी फार्मर के निदेशक अखिलेंद्र प्रताप सिंह व अर्जुन गोपालन ने अतिथियों को पगडी भेंट की। सम्मेलन में चंद्रभूषण तिवारी, रामचंद्र सिंह , राजेश सिंह, रामजी सिंह, प्रदीप मिश्र, शब्बीर अंसारी आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता दिनेश प्रताप व संचालन कृष्ण मोहन सिंह ने किया।

जिला कारागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

बलिया। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, के मार्गदर्शन में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन दिनांक 14 जुलाई 2022 को जिला कारागार बलिया में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के न्यायाधीश/सचिव, सर्वेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सर्वेश कुमार मिश्र सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रचलित योजनाओं के विषय में अवगत कराते हुए यह बताया गया कि शिविर का उद्देश्य जेल में निरूद्ध बन्दियों को विधिक जानकारी प्रदान किया जाना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बंदी को हर दशा में न्याय प्राप्त हो। यदि किसी बन्दी के पास अधिवक्ता की सुविधा उपलब्ध नहीं है, तो उसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अपने मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा प्रदान की जाती है। जेल में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की गई है जिससे किसी बंदी को कोई समस्या हो तो वह जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। सचिव द्वारा बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि जो बंदी जेल में निरूद्ध है, उनकी समस्याओं के लिए विधिक सहायता हेतु अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है, जो प्रत्येक माह जेल में जाकर बंदियों से संपर्क करते हैं। जेल में निरूद्ध बंदी आपस में मिलजुल कर रहने का प्रयास करें, सबको चाहिए कि ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे उनकी सजा या मुकदमें में कोई व्यवधान उत्पन्न हो। यदि किसी बंदी की कोई समस्या हो और उसका निराकरण ना हो पा रहा हो तो वह प्रार्थना पत्र लिखकर जानकारी दे सकता है और उसकी समस्या का निराकरण नियमानुसार अवश्य किया जाएगा।

दस्तक अभियान में भी खोजे जाएंगे टीबी मरीज

बलिया। जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत 16 जुलाई से दस्तक अभियान चलाया जायेगा, जिसमें टीबी के मरीजों को भी खोजा जायेगा। आशा, एएनएम व आगंनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी मरीजों की पहचान और उनकी स्क्रीनिंग करेंगी। इस दौरान संभावित मरीजों की टीबी जांच करवाई जाएगी। यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० जयंत कुमार का। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 16 जुलाई से चल रहा प्रदेश में दस्तक अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। हाई रिस्क क्षेत्रों में दस्तक अभियान के दौरान टीम की ओर से की गई घर-घर सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित क्षेत्रों में फॉगिंग की जाएगी। इसमें मेडिकल टीमें घर-घर जाकर संक्रामक रोगों से ग्रस्त मरीजों की पहचान करेंगी। इस टीम में आशा कार्यकर्ता के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मी शामिल रहेंगे। टीम की मदद से रोगियों को चिन्हित कर उन्हें दवा दी जाएगी और जरूरी होने पर अस्पताल में भर्ती भी कराया जाएगा। अगर सर्वे में ऐसे मरीज मिलते हैं तो उनकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा अभियान में कुपोषित बच्चों की जानकारी जुटाने का निर्देश भी दिया गया है। दस्तक अभियान के तहत टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोज कर उनकी जांच कराई जाएगी। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ० आनन्द कुमार ने बताया की संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कोई भी संभावित मरीज जिसे दो हफ्ते से लगातार खांसी आ रही हो ,बुखार आता हो, पसीना लगातार आता है, बलगम में खून आता हो या लगातार वजन घटने के लक्षण दिखाई दें तो ऐसे व्यक्ति को तत्काल जिला क्षय रोग नियंत्रण केंद्र पर जांच के लिये रेफर किया जाए। उन्होंने बताया की अगर किसी भी प्राइवेट एमबीबीएस चिकित्सक के यहां पर किसी मरीज में क्षय रोग की पुष्टि होती है और वह उस मरीज को क्षय रोग विभाग में पंजीकृत कराता है तो उस चिकित्सक को 500 रुपये प्रोत्साहन राशि के तौर पर दिये जायेंगे। जिला कार्यक्रम समन्वयक आशीष सिंह ने बताया की इस अभियान में 2875 आशा कार्यकताओं को लगाया गया है। जो संचारी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ टीबी मरीजों की तलाश करेंगी।

घाघरा नदी में 1 सेमी की दर से घटाव शुरू

बिल्थरारोड (बलिया)। घाघरा नदी का जलस्तर गुरुवार की प्रातः 9 बजे से 1 सेमी प्रति घंटा की दर से घटाव शुरू हो गया है। केन्द्रीय जल आयोग तुतीर्पार की रिपोर्ट के अनुसार 54 घंटे में नदी का जलस्तर 1.30 सेमी बढ़ गया था। गुरुवार की बीती रात 12 बजे से प्रातः 9 बजे तक नदी का जल स्तर स्थिर पाया गया। वैसे बीते 11 जुलाई को शाम 6 बजे 61.41 सेमी से लगातार नदी के जलस्तर में बढ़ाव जारी रहा।

30 दिवसीय निःशुल्क प्रस्तुति परक नाट्य कार्यशाला का आयोजन

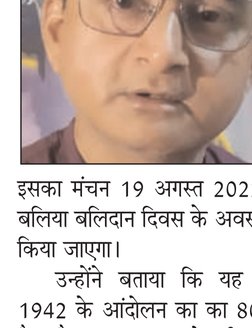

बलिया। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ व संकल्प साहित्यिक , सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था बलिया के संयुक्त तत्वाधान में 30 दिवसीय निःशुल्क प्रस्तुति परक नाट्य कार्यशाला का आयोजन। संकल्प संस्था के प्रयास से बलिया में पहली बार उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है । इस संदर्भ में कार्यशाला के निदेशक वरिष्ठ रंगकर्मी व रंग निर्देशक आशीष त्रिवेदी ने बताया की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है । इसमें 18 साल से ऊपर के लड़के - लड़कियां प्रतिभाग कर सकते हैं । कार्यशाला प्रतिदिन दिन में 1 बजे से 4 बजे तक टाउन इंटर कॉलेज बलिया के प्रांगण में चलेगा। उन्होंने बताया की कार्यशाला में अभिनय की बारीकियां सिखाई जाएंगी एवं बलिया के 1942 के क्रांतिकारी इतिहास पर आधारित नाटक "क्रांति1942 @बलिया" की तैयारी कराई जाएगी। इसका मंचन 19 अगस्त 2022 को बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह साल 1942 के आंदोलन का का 80 वर्ष है और इस नाटक में भी 80 कलाकार प्रतिभाग करेंगे। यह बलिया के रंगमंच पर एक नया रिकार्ड होगा। सभी प्रतिभागियों को संगीत नाटक एकेडमी लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। आशीष त्रिवेदी ने इस संदर्भ कहा कि जो भी कार्यशाला में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है ।

अफवाहों पर ध्यान ना दें, अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन की है पैनी नजर : पुलिस अधीक्षक

बलिया। पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर के निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी आज से सावन माह शुरू हो गया उसको देखते हुए जनपद के समस्त मंदिरों पर भारी सुरक्षा व्यवस्था कर दिया गया है उन्होंने कहा इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित कर दिया गया है साथ में महिला पुलिस भी तैनात रहेंगी सीसीटीवी के देखरेख में श्रद्धालुओं की निगरानी की जाएगी नगर क्षेत्र में सीसीटीवी देख भ्रमण किए उन्होंने कहा सावन माह सभी श्रद्धालु अपने रीति रिवाज से पूजा पाठ करें और किसी तरह के अफवाह पर ध्यान ना दें अफवाह फैलाने वालों पर पहले से ही पुलिस नजर बनाई है किसी भी कीमत पर कानून से खिलवाड़ करने वाले को नहीं छोड़ा जाएगा उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी इस मौके पर सीओ सिटी प्रीति त्रिपाठी शहर कोतवाल प्रवीण कुमार सिंह बिचला घाट चौकी प्रभारी अमरजीत यादव ऑक्टेन गंज प्रभारी एके पांडे इसके साथ तमाम सहयोगी साथ रहे।

रेलवे ट्रैक पर युवक तथा युवती का शव मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप, पुलिस जुटी जांच में

प्रखर गोरखपुर। कहते हैं की प्यार अंधा होता है प्यार की कोई जात नहीं और प्यार जब परवान चढ़ता हैं सारे हदों को पर कर कुछ भी करने को आमादा होते हैं प्यार के दीवाने। प्यार के किस्से बहुत सुने जाते हैं इसी क्रम में गोरखपुर जनपद के पश्चिमांचल क्षेत्र के सहजनवा थाना अंतर्गत कसरवल गांव के पास रेलवे ट्रैक पर स्कूल ड्रेस में छात्र तथा छात्रा की शव मिला। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया सुबह शौच के लिए स्थानीय ग्रामीण जा रहे थे तभी रेलवे ट्रैक पर उनकी नजर पड़ी और स्कूल ड्रेस में छात्र तथा छात्रा के शव को देखते ही अफरा तफरी का माहौल हो गया स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल सहजनवा थाना को दी मौके पर पहुंचे सहजनवा थाने की पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी आपको बता दें कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच कर पता करने की कोशिश कर रही थी तभी पुलिस को पता चला कि यह दोनों शव जनपद के ही खजनी थाना क्षेत्र के साहसी गांव के निधि आवा टोला निवासी के हैं जिनकी पहचान छात्रा की रिंकी मौर्य पुत्री रामानुज मौर्या उम्र 18 वर्ष तथा छात्र की अजय चौरसिया पुत्र स्वर्गीय तपसी चौरसिया सांसी गांव निधि आवा टोला थाना खजनी जनपद गोरखपुर के निवासी हैं सूत्रों की माने तो यह दोनों छात्र तथा छात्रा गुरुवार को अपने घर से कालेज जाने के लिए निकले मगर घर वापस नही लौटे। सुबह में करीब 2:00 बजे पुलिस को सूचना मिली लड़का और लड़की दोनों आदर्श इंटर कॉलेज हरदी चक में पढ़ते थे लड़का कक्षा 11 में पढ़ता था और लड़की कक्षा 12 की छात्रा थी दोनों आपस में बेहद ही प्यार करते थे और सूत्रों के अनुसार लड़की की शादी दूसरे घर पढ़ते हो रही थी जिससे लड़की परेशान होकर लड़के से घर छोड़कर भागने के लिए बोली और दोनों ने मिलकर मौत को गले लगा लिया। इस संदर्भ में सहजनवा थाना अध्यक्ष अंजुल कुमार चतुवेर्दी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है और हम आगे भी जांच कर रहे हैं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हम इस केस पर कुछ कह पाएंगे।

शिविर लगवाकर शत-प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण कराना सुनिश्चत करें

आजमगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी मोती लाल ने राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत जनपद आजमगढ़ के समस्त वृद्धावस्था पेंशनरों को सूचित किया है कि वृद्धावस्था पेंशन के जिन लाभार्थी को पेंशन प्राप्त हो रही है, वे अपने वृद्धावस्था पेंशन को sspy-up.gov.in पर लॉगिन करते हुए जन-सुविधा केन्द्रों (कामन सर्विस सेन्टर), साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट केन्द्र अथवा विभागीय वेबसाइट पर कम्प्यूटर या मोबाइल के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण का कार्य कराया जा रहा है, परन्तु अभी तक पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों का आधार प्रमाणीकरण की गति काफी धीमी है। उन्होने बताया कि आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में अपेक्षित गति लाये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्र में खण्ड विकास अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे। खण्ड विकास अधिकारी, सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, सफाई कर्मचारी आदि का दायित्व निर्धारित करते हुए आधार प्रमाणीकरण का कार्य करायेंगे। नगर क्षेत्र में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी नोडल अधिकारी होंगे। उपजिलाधिकारी क्षेत्रीय लेखपाल, संग्रह अमीन, कर निरीक्षक, नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका से आधार प्रमाणीकरण का कार्य करायेंगे। यदि किसी लाभार्थी का नाम वृद्धावस्था पेंशन की सूची तथा आधार में भिन्नता है, ऐसी स्थिति में सम्बन्धित पेंशनर का आधार नम्बर तथा मोबाइल नम्बर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करायेंगे। वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया हेतु सर्वप्रथम वेबसाइट sspy-up.gov.in पर जायें। पेंशन पोर्टल पर जाये तथा लाल रंग की पट्टी आधार प्रमाणीकरण के लिए फ्लैश हो रही है, उसे क्लिक करें। यदि लाभार्थी को अपना रजिस्ट्रेशन नम्बर नही पता है, तो वृद्धावस्था पेंशन सेलेक्ट करके पेंशन सूची में जायें, अपना जनपद सलेक्ट करें, विकास खण्ड सलेक्ट करें, ग्राम पंचायत सेलेक्ट करें व ग्राम सलेक्ट करें, पूरी पेंशनर सूची उपलब्ध होगी, जिससे अपना रजिस्ट्रेश नम्बर नोट कर लें। पेंशन का प्रकार सलेक्ट करें, वृद्धावस्था पेंशन चयन करें, रजिस्ट्रेशन नम्बर दर्ज करें, मोबाइल नम्बर दर्ज करें, बैंक अकाउण्ट नम्बर भी इंटर किया जायगा। कैप्चा लिखें सबमिट करें। लाभार्थी मोबाइल पर ओटीपी आएगा, ओटीपी को दर्ज करें तथा सबमिट करें। लाभार्थी का नाम पेंशन सूची में व आधार में समान है, तो आपका रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ आधार का प्रमाणीकरण हो जायेगा। लाभार्थी का नाम पेंशन सूची तथा आधार के नाम में अन्तर हो तो पेंशनर का नाम आधार के अनुसार करेक्शन कर जिला समाज कल्याण अधिकारी को फारवर्ड करना है। उक्त के अतिरिक्त आधार कार्ड की छायाप्रति में मोबाइल नम्बर दर्ज करते हुए पासबुक की छायाप्रति के साथ कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी को जमा कर आधार प्रमाणीकरण करवा सकते हैं। पेंशन सूची के नाम व आधार में नाम में अंतर होने पर किसी भी दशा में दोबारा प्रयास न करें, अन्यथा आपका डाटा लॉक हो जायेगा। जिन लाभार्थियों का डाटा लाक हो गया है, वह कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी से सम्पर्क कर अपना आधार प्रमाणीकरण करवा सकते है। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रतिदिन लाभार्थी से फारवर्ड डाटा की विस्तृत रूप से जांच करके नाम में त्रुटि होने पर उसे आधार के अनुसार जांच कर-के अपने डिजिटल सिग्नेचर से एक्सेप्ट करेंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा नाम की त्रुटि सही करने के 24 घण्टे बाद लाभार्थी को फिर से पेंशन पोर्टल पर जाकर के लॉगिन करना होगा तथा आधार का प्रमाणीकरण करना होगा। आधार प्रमाणीकरण के सम्बन्ध में 11 जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक आधार प्रमाणीकरण हेतु विशेष अभियान के माध्यम से विकास खण्ड स्तर ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगवाकर शत-प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण कराना सुनिश्चत करें।

पुरानी रंजिश व बच्चों के विवाद में मारपीट, दंपती समेत 10 घायल

बलरामपुर (आजमगढ़)। बसिला, खुटहा चक खुटहा और नदौरा गांव में भूमि, बच्चों के विवाद और रंजिश में मारपीट हो गई, जिसमें दंपती समेत 10 लोग घायल हो गए। बसिला (तहबरपुर) गांव निवासी घायल मनोचा ने बताया कि बुधवार को देवर के बच्चों के साथ हमारे बच्चे भी खेल रहे थे। बच्चों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। रात में देवर को उलहना देने गई तो देवर और देवरानी ने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। बचाने के लिए पति रामकेश आए तो उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। खुटहा चक खुटहा (मेंहनगर) के घायल रामबदन ने बताया कि गुरुवार की सुबह विपक्षी पुश्तैनी भूमि को ट्रैक्टर से जोत रहे थे। विरोध किया तो स्वजन के साथ लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के घायल शिवदास ने बताया कि पुश्तैनी दो बीघा जमीन है जिस पर प्रथम पक्ष कब्जा कर रहा था और विरोध किया तो स्वजन के साथ मिलकर हमला कर दिया। बचाने दौड़े भाई सुबाष, पुत्री वंदना, पुत्र जयप्रकाश, विपिन और भतीजे गणेश बचाने आए तो उन्हें भी घायल कर दिया। इधर, नदौरा (जीयनपुर) के रामू ने बताया कि बुधवार की रात गांव के मित्र के साथ घूमने गया था। चुनहवा स्थित एक विद्यालय के पास पहुंचा, तो मित्र ने लाठी से मारकर घायल कर दिया। आसपास के लोग पहुंचे तो भाग निकला।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों की महिलाएं आपस मे भिड़ी, विडियो वायरल

इस तरह का वीडियो बहुत वायरल होता रहता है: थानाध्यक्ष, वीडियो की जांच करा कर उचित कार्यवाही की जायेगी: क्षेत्राधिकारी

प्रखर चंदवक जौनपुर। चंदवक थाना के अंतर्गत चकरा गांव में शुक्रवार की सुबह दो पक्षों की महिलाए आपस में भिड़ी एक पक्ष के युवक ने फावड़े से महिलाओ के पीटने का वीडियो हुआ वायरल पुलिस मौके पर पहुंच चार लोगो को गिरफ्तार कर थाने ले आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा देवी व अन्य और बेदीराम व अन्य के बीच काफी दिनो से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था बीते एक सप्ताह पहले रास्ते के विवाद को लेकर दो दर्जन से अधिक लोग उपजिलाधिकारी से मिल पत्रक सौंप रास्ते के विवाद को सुलझाने की बात को कही। शुक्रवार की सुबह रास्ते को लेकर दोनो पक्षों में

कहासुनी होने लगी देखते ही देखते दोनो पक्षों की महिलाए आपस में भिड़ गई दूसरे पक्ष से एक युवक ने फावडा से महिलाओ पर हमला कर दिया हालांकि मारपीट में किसी को गंभीर चोटे नही आई। मारपीट के दौरान किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वायरल वीडियो को देख जब मीडिया कर्मियों ने थानाध्यक्ष रमेश कुमार से जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि इस तरह का बहुत वीडियो वायरल होता रहता है। थानाध्यक्ष के बात करने के रवैया से नाखुश होकर पत्रकारों ने जब क्षेत्राधिकारी गौरव शर्मा से शिकायत की गई तो उन्होंने बताया कि थानाध्यक्ष चंदवक अगर इस तरह की बाते कही है तो गलत है फिलहाल वीडियो की जांच करा कर उचित कार्यवाही की जायेगी। फावड़े से महिलाओ को पीटने का वीडियो वायरल होने पर पत्रकारों के पूछने पर जिन शब्दों का प्रयोग थानाध्यक्ष के द्वारा किया गया उनकी लचर कार्यशैली को दशार्ता है।

एम्बुलेंस चालक ने पेश की मानवता की मिसाल

घायल परिजन को बुलाकर लौटाया पर्स, बना चर्चा का विषय

प्रखर केराकत जौनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत उस समय चर्चा का विषय बना जब एम्बुलेंस में छुटे घायल महिला के पर्स को महिला के परिजनों को गुरुवार की देर शाम बुलाकर एम्बुलेंस चालक ने सुपुर्द किया जिसकी दरियादिली देख हर कोई दंग रह गया घायल महिला के परिजनों ने चालक का आभार प्रकट किया।प्राप्त जानकारी गुरुवार की सुबह सीमा यादव पत्नी इंद्रसेन यादव निवासी पराऊगंज (टिसौरी) पारिवारिक कहासुनी में मारपीट में सीमा यादव घायल हो गई जिसे 108 पर फोन कर घटना से अवगत कराया गया।घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंच घायल महीला को सामुदायिक केन्द्र केराकत लेकर

आई। घायल महिला की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घायल महिला को जिला अस्पताल छोड़ एम्बुलेंस जब सामुदायिक केन्द्र केराकत पहुंची तो एंबुलेंस में भुला पर्स देख एम्बुलेंस चालक अतुल कुमार एमटी ने तत्काल महिला के परिजनों को फोन कर भूले पर्स से अवगत कराया।महिला के भाई विदेशिया ने सामुदायिक केन्द्र पहुंच पर्स की पहचान करने के उपरांत चालक ने पर्स को सुपुर्द कर दिया अतुल कुमार एमटी व चालक शिवकुमार की इस दरियादिली को देख मौजूद हर कोई दंग रह गया दरियादिली की चर्चा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सहजनवा तहसील के बार एसोसिएशन के द्वारा चयनित आईएएस अर्पित गुप्ता तथा केदार नाथ शुक्ल को किया गया सम्मानित

प्रखर गोरखपुर। सहजनवां में सम्मान समारोह का आयोजनः शामिल हुए नव चयनित आईएएस, कहा- लक्ष्य तय कर कड़ी मेहनत की जाय तो सफलता जरूर मिलेगी सहजनवा तहसील परिसर के सभागार कच्छ में बार एसोसियन द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में नव चयनित आईएएस अर्पित गुप्ता तथा केदारनाथ शुक्ला शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि असफल होने पर भी मनोबल न गिरने दिया जाय और अध्ययन जारी रखा जाय, सफल लोगों का अनुसरण मंजिल तक जरूर पहुंचाएगी। 24 वर्ष से कम की उम्र में हासिल किया मुकाम। उन्होंने तैयारी कर रहे बच्चों के सवाल आमन्त्रित कर उनके समाधान का उपाय भी बताया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बार एसोसिएशन के मंत्री श्याम बिहारी त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में प्रशासनिक अफसरों के ऊपर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ लोगो की अपेक्षाओं और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करना होता है। उन्होंने कहा कि 24 वर्ष से कम की उम्र में यह गौरव हासिल हुआ है, जो अन्य अध्ययनरत छात्रों का अवश्य उत्साह वर्धन करेगा। सम्मान समारोह कार्यकर्म में एसडीएम न्यायिक, नायब तहसीलदार अमित सिंह, मंच का संचालन कर रहे रंगनाथ पाण्डेय, मंत्री श्यामबिहारी त्रिपाठी, अध्यक्ष बुद्धि सागर यादव, अनिल त्रिपाठी, इंद्र प्रसाद, कीर्ति भट्ट, अभिषेक त्रिपाठी, उपेंद्र त्रिपाठी, सुधाकर, योगेंद्र श्रीवास्तव, जितेंद्र गुप्ता, रामाकांत उपाध्याय, गणेश, ज्ञानेंद्र, आदि अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे पियूष आनंद,पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एस के सिंह, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज सिद्धार्थ शंकर मीणा, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी सुनील कुमार सिंह द्वारा रेलवे स्टेशन सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनों में बढ़ती चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी अवैध तस्करी के मद्देनजर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सुरेश कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी डीडीयू के निर्देशन में जीआरपी डीडीयू ने एक युवक को प्लेटफार्म संख्या 1/2 के पास से गिरफ्तार किया पकड़ा गया युवक चिंटू कुमार बताया जाता है। जिसके पास से पुलिस ने 26 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया। बरामद शराब की युवक ट्रेनों के माध्यम से तस्करी करता था। जिस पर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

धर्मसंघ में रामकथा 16 जुलाई से 115 वें करपात्र प्राकट्योत्सव पर 27 दिन होंगे विविध आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज के 115 वें प्राकट्योत्सव इस वर्ष धूमधाम से मनाया जाएगा। प्राकट्योत्सव का शुभारंभ 16 जुलाई शुक्रवार से अखिल भारतीय धर्मसंघ के तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर जोधपुर राजस्थान से पधारे प्रख्यात कथावाचक संत श्री मुरलीधर जी महाराज के श्री मुख से राम कथा श्रवण कराई जाएगी। उक्त जानकारी 15 जुलाई गुरुवार को दुगार्कुंड स्थित धर्मसंघ में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय धर्मसंघ के महामंत्री पण्डित जगजीतन पांडेय ने दी उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्राकट्योत्सव के स्वरूप को विस्तार दिया गया है जिसका शुभारंभ श्री राम कथा से होगा` कथा 16 जुलाई से 12 अगस्त तक नियमित प्रातः 9:30 बजे से मणि मंदिर के बगल में बने भव्य पंडाल में आयोजित होगी। धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चौतन्य ब्रह्मचारी के पावन सानिध्य में संपूर्ण कार्यक्रम आयोजित होगा।

दस हजार भक्तो के बैठने की व्यवस्था- धर्मसंघ में श्रद्धालुओं के कथा श्रवण के लिए

अत्याधुनिक जर्मन हैंगर तकनीक युक्त पंडाल बनाया गया है, जिसमें 10,000 श्रद्धालु कथा श्रवण कर सकेंगे` कथा का सीधा प्रसारण संस्कार टीवी के माध्यम से भी किया जाएगा कथा में भाग लेने के लिए देश के विभिन्न जगहों से लगभग 300 दंडी सन्यासी धर्मसंघ पहुंच गए हैं उसके अलावा 200 वेदपाठी ब्राम्हण भी कथा श्रवण करेंगे` इस अवसर पर नियमित रूप से विशाल भंडारा ही चलता रहेगा जिसमें हजारों भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गयी है।

होंगे विविध आयोजन- पंडित जगजीतन पाण्डेय ने बताया कि 30 जुलाई को श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि को करपात्र प्राकट्य दिवस मनाया जाएगा` प्राकट्य दिवस की पूर्व संध्या पर करपात्र दीपावली का आयोजन होगा समापन के अवसर पर 12 अगस्त को गौरी केदारेश्वर कलश यात्रा आयोजित होगी बीच- बीच में भी अन्य कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे ` प्राकटच दिवस के अवसर पर परंपरा अनुसार अति विशिष्ट एक लाख रुपये का दिया जाने वाला करपात्र रत्न पुरस्कार, करपात्र गौरव एवं अन्य सम्मान दिया जाएगा पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से पण्डित जगजीतन पाण्डेय महामंत्री (अखिल भारतीय धर्मसंघ), विजय मोदी, दीपक अग्रवाल सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

पशुधन से किसानों की आय में होगी वृद्धि

अंजानशहीद। आम किसानों की आय में पशुधन के माध्यम आए कैसे आय में वृद्धि हो और कैसे किसान अपने पशुधन को बीमार मुक्त रखे और किसान के आय में वृद्धि हो, इसी क्रम में आज माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशु पालन एवं डेयरी पुरुषोत्तम रुपाला जी के द्वारा किसानों को संबोधित किया गया जिसमें मंत्री के द्वारा बताया कि सरकार की स्पस्ट मंशा है कि कैसे किसानों को आय में वृद्धि किया जाय जिसमे पशुधन एक महत्वपूर्ण है जिसके माध्यम से किसान एक समुचित आय का सृजन कर सकता है , जिसके लिए किसानों/ पशुपालको हेतू पशुपालन अवसरंचना विकाश निधि की घोषणा किया गया जिसमे किसान को आसानी से लोन मिल जाएगा जिससे किसान/पशुपालक उन्नत ब्रीड को क्रय एवं पशुधन रख रखाव में

खर्च कर करेगा। लेकिन किसानों के पास जानकारी का अभाव है कि कँहा से उन्नत ब्रीड, पशुधन से संबंधित रोग उपचार एवं किसी प्रकार का भोजन के माध्यम से दुग्थ उत्पादन में वृद्धि हो ,भारत सरकार विभिन्न योजनाएं ला रही जिसमे, सरकार की योजना आगामी योजना है जिसमे ग्रामीण स्तर पे किसानों को जागरूक किया जाएगा एवं उन्हें उन्नत पशुधन ब्रीड की उपलब्धता कराई जाएगी, प्रसारण में माननीय राज्य मंत्री मत्स्य पालनन, पशु पालन एवं डेयरी डॉ संजीव कुमार बालियान एवं माननीय राज्य मंत्री मत्स्य पालनन, पशु पालन एवं डेयरी डॉ एल मुरुगन उपस्थित रहे एवं CSC FPO के माध्यम से लाइव जुड़े किसानों को संबोधित किया माननीय मंत्री जी ने कहा कि पशुपालन yj अवसरंचना विकाश निधि योजना किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगा. कामन सर्विस सेंटर आजमगढ के जिला प्रबंधक बृजेश सिंह ने बताया कि जिले में 10 से ज्यादा CSC FPO केंद्रों और 500 से ज्यादा CSC केंद्रों पे सजीव प्रसारण हुआ जिसमें भारी किसानों ने भाग लिया।

बिना पेंदी के लोटा साबित हुए सुभासपा अध्यक्ष : शशि प्रताप सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लखनऊ में मीडिया से ओमप्रकाश राजभर ने बातचीत में बोला कि शशिप्रताप सिंह न्यूज चैनलों पर आने के लिये मेरा नाम लेता है वहीं शशिप्रताप सिंह ने वीडियो जारी कर कहा कि एक समय था जब सुभासपा को कोई नही जानता था तब मैं वाराणसी से लखनऊ तक समाचार पत्रों में छपवाने का कार्य किया।

मीडिया में दो सेकंड आ जाने के लिये ओमप्रकाश राजभर मेरी चिरौरी करते थे। धोखेबाजी की पराकाष्ठा अगर कोई है तो उसका नाम ओमप्रकाश राजभर, जिन्होंने आपने राजनीतिक मुकाम के लिये बसपा फिर कांग्रेस फिर अपना दल फिर पीस पार्टी फिर कौमी एकता दल भाजपा तमाम छोटे दलों को धोखा दिया सबसे भरोसेमंद पार्टी समाजवादी को भी नही छोड़ा, बिना पेंदी का लोटा है। इनका नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जायेगा ओमप्रकाश राजभर का नाम एक नंबर का झूठा, धोखेबाज नेता के नाम से जनता अब जानेगी अब तो गूगल भी बता देगा कौन है झूठ नंबर वन भाजपा के सहयोग से हल्दी लगी 18 महीने बाद उसको थूक कर आने वाला व्यक्ति जो अपने समाज से भाजपा को चार साल तक गली दिलवाता रहा खुद गली देता रहा किस मुँह से अपने लोगो के बीच फिर से जाएगा और समर्थक कैसे इस व्यक्ति पर भरोसा करेंगे। राजनीति को शर्मसार करने वाले का नाम लेना भी पाप है और भाजपा के कार्यकर्ता इससे कैसे नजर मिलाएंगे। मैं शशिप्रताप सिंह इस तरह के कचरे नेता का नाम लेना भी पाप समझता हूं जिसको यह छुआ उससे परिवाद का फायदा लिया उसको खत्म किया अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री तक नही बनने दिया अपने अभद्र टिप्पणी से जनता सबक सिखाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अनजान में की गलती गलती नहीं, हम उन्हें क्षमा करते हुए एफआईआर वापस लेते हैं- रोशन पाण्डेय

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन का अध्यक्ष रोशन पाण्डेय द्वारा दिनांक १३/०७/२२ को दरभंगा घाट स्थित शिवलिंग के उपर पैर लटकाकर बैठने व अपमान करने के संदर्भ में थाना दशाश्वमेध में FIR दर्ज करने के संदर्भ में आवेदन दिया था। जिसके बाद थाना दशाश्वमेध मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज करने की तैयारी में जूट गई। तभी हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय को स्थानीय लोगों से जानकारी मिली कि उन्होंने अनजाने में ऐसी गलती की है। दर असल उन्हें पता नहीं था कि नीचे शिवलिंग है और जानकारी होते ही तुरंत वापस चलें गये जिसके बाद हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय ने अपना शिकायत वापस लेते हुए उन्हें क्षमा दान दिया। रोशन पाण्डेय ने कहा कि अनजाने में हुई गलती गलती नहीं होती है और हम उनकी पहली गलती मानते हुए क्षमा दान देते हैं। उम्मीद है भविष्य में वो ऐसा गलती नहीं करेंगे।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के परिसरके उपर से रोपवे जाने के विरोध में प्रत्यावेदन

प्रखर वाराणसी। आपको सूचना है सरकार द्वारा बनारस में बनाई जा रही रोपवे परियोजना के तहत विश्वविद्यालय परिषद की भूमि के टावर और एक स्टेशन प्रस्तावित किया गया है। जिसके विरोध में काशी विद्यापीठ शताब्दी छात्रसंघ अध्यक्ष संदीप कुमार यादव के नेतृत्व में तमाम छात्र नेता जिला अधिकारी के मिलकर ज्ञापन दिए जिसमें उन्होंने कहा कि रोपवे परिसर से गुजरने के कारण सामाज विज्ञान संकाय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय प्रशासनिक भवन मानविकीय संकाय भारत माता मंदिर चित्रकला विभाग कुलपति आवास अतिथि गृह के साथ विभाग विभाग भी प्रभावित होंगे विश्वविद्यालय का परिषद बहुत ही कम क्षेत्रफल मे है छोटे है भविष्य में भवनों के विस्तार में बहुत मुश्किल होगी। विश्वविद्यालय परिषद रोपवे स्टेशन बन जायगा तो शेक्षणिक गतिविधियां की प्रभावित होगी रोपवे परिषद से होकर जाने के कारण भारत माता के मंदिर के ललित कला विभाग का अस्तित्व व विकास अधर में पड़ सकता है परिसर में भारत माता मंदिर उत्क नमूना है जिसे देखने के लिए दो विदेश से सैलानी आते हैं शताब्दी छात्रसंघ अध्यक्ष संदीप कुमार।

ढाई महीने बाद मिली नई किताबों की पहली खेप स्कूल ड्रेस, जूता-मोजा का भी बच्चे कर रहे इंतजार

प्रखर गोरखपुर। जिले के 2,514 परिषदीय स्कूलों में अध्ययनरत 3,50,000 विद्यार्थी हैं। 1,80,000 किताबें जिला मुख्यालय को भेजी गईं हैं। बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से कक्षा एक से पांचवीं की दो ट्रक यानी कुल 1,80,000 किताबें जिला मुख्यालय को भेज दी गई हैं। किताबों के सत्यापन की प्रक्रिया बीएसए कार्यालय पर चल रही है। जल्द ही इन्हें संबंधित ब्लॉक पर वितरण के लिए भेजा जाएगा।

कलयुगी बेटों ने वृद्ध पिता को पीटकर किया अधमरा

प्रखर गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के नगवा में बृहस्पतिवार शाम करीब 7 बजे कल अपने ही पिता राम सूरत चौहान 68 वर्ष समेत रविंद्र उर्फ झीनक पुत्र रामसूरत, शीला देवी पत्नी रविंद्र को राड और कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। जिसमे रामसूरत को गंभीर चोटें आई हैं। जिसकी लिखित शिकायत पीड़ित ने गीडा थाने पर किया हैं। मिली जानकारी के अनुसार गीडा थाना के नगवा निवासी रामसूरत पुत्र बुध्दु अपने लड़के रविंद्र उर्फ झीनक के साथ रहते है। आरोप है बड़ा लड़का रामगोविन्द पुत्र रामसूरत, अमरजीत पुत्र राम गोविंद, सुनील और वकील पुत्रगण गोपाल शाम करीब 7 बजे नशे के हालत में अपने पिता रामसूरत को गाली गलौज के साथ जान से मारने की धमकी देने लगे। इस पर रविंद्र उर्फ झिनक पुत्र रामसूरत तथा शीला देवी पत्नी रविंद्र ने इसका विरोध किया। जिस पर आरोपियों ने लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी, रॉड, ईंट से हमला कर दिया। जिससे रामसूरत को बुरी तरह से चोटें आई है। मारपीट में रविंद्र और शीला देवी को भी गंभीर चोटें आई हैं। जिसकी लिखित शिकायत पीड़ित द्वारा गीडा थाने पर कर न्याय की गुहार लगाई है। इस संदर्भ में गीडा थाना प्रभारी राहुल सिंह से संपर्क नहीं हो पाया।

अकबरपुर गांव में गुरुदक्षिणा का किया गया आयोजन

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के अकबरपुर गांव में स्व जितेंद्र सिंह जिला सेवा प्रमुख आर एस एस के आवास पर शुक्रवार की सुबह आर एस एस के कार्यकताओं ने गुरुदक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगो को गुरुदक्षिणा के संबंध से अवगत कराते हुए बताया कि जीवन में गुरु का बहुत ही बड़ा महत्व है उनके बिना जीवन की कल्पना भी नही किया जा सकता है।आयोजन में भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं